

# डॉ. रॉबर्ट सी. न्यूमैन, सिनाॉटिक गॉस्पेल, व्याख्यान 3, मैगोई : एक्सेजेसिस का परिचय

© 2024 रॉबर्ट न्यूमैन और टेड हिल्डेब्रांट

मुझे इसकी ज़रूरत नहीं है, लेकिन फिर भी मेरे पास यह है। क्या आप तैयार हैं? मैं तैयार हूँ।

सुप्रभात। हम सिनाॉटिक गॉस्पेल में अपना कोर्स जारी रख रहे हैं। अगर आप चाहें तो हम अपनी तीसरी इकाई को देखने जा रहे हैं, और हम इस इकाई को एक्सेजेसिस का परिचय कहते हैं। खैर, एक्सेजेसिस क्या है? यह एक तकनीकी धार्मिक शब्द है जिसका अर्थ मूल रूप से व्याख्या है, शायद थोड़े अलग अर्थ के साथ।

एक्सेजेसिस एक ग्रीक निर्माण से आया है जिसका अर्थ है बाहर ले जाना, और इसका विचार पाठ में मौजूद अर्थ को उससे बाहर ले जाना है। इसे कभी-कभी ईसेजेसिस के साथ तुलना की जाती है, जिसमें लोग पाठ में वह अर्थ डाल देते हैं जो लेखक ने नहीं डाला है। हम कोशिश करना चाहते हैं और अगर हम कर सकते हैं तो ऐसा करने से बचना चाहते हैं।

खैर, यहाँ हम उन चीज़ों का एक संक्षिप्त खाका प्रस्तुत करने जा रहे हैं, जिनके बारे में हमें व्याख्या करते समय सोचना चाहिए। व्याख्या की अधिक विस्तृत प्रस्तुति शायद हेर्मेनेयुटिक्स या उन्नत ग्रीक या उस तरह के किसी सेमिनरी कोर्स में मिल सकती है। बाइबल की व्याख्या से संबंधित दो पुस्तकें जो मुझे मददगार लगीं, वे हैं डैन मैककार्टनी और चार्ल्स क्लेटन की लेट द रीडर अंडरस्टैंड, 1994 ब्रिजपॉइंट द्वारा, और रॉबर्ट स्टीन की ए बेसिक गाइड टू इंटरप्रिटिंग द बाइबल, बेकर, 1997।

खैर, हम यहाँ व्याख्या के अंतर्गत कई चीज़ों पर चर्चा करने जा रहे हैं। हम कुछ विशेषताओं पर गौर करने जा रहे हैं। हमें अपनी व्याख्या को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने की आवश्यकता है।

और फिर, हम कुछ शैलियों को देखने जा रहे हैं जो समकालिक सुसमाचारों में पाई जाती हैं। फिर, हम अपने पाठ्यक्रम की इस इकाई में कथा शैली के बारे में सोचने जा रहे हैं। फिर, हम सुसमाचारों के भीतर कथा के प्रकारों पर चर्चा करने जा रहे हैं और वास्तव में उनमें से एक पर नज़र डालेंगे, मैथ्यू अध्याय 2 में बुद्धिमान पुरुषों की कहानी। खैर, कुछ ऐसी विशेषताएँ हैं जिन पर हमें लगातार काम करने की ज़रूरत है।

व्याख्या केवल एक यांत्रिक प्रक्रिया नहीं है। आप कुछ नियम सीखते हैं और बिना सोचे-समझे उन्हें लागू कर देते हैं। यह पूरी तरह से वैज्ञानिक भी नहीं है, कम से कम जिस तरह से औसत व्यक्ति विज्ञान को समझता है, क्योंकि इसमें बहुत सारे आश्चर्य हो सकते हैं।

बेशक, वास्तविक विज्ञान में भी बहुत सी आश्चर्यजनक बातें होती हैं। आप पा सकते हैं कि आपने टिप्पणी में ऐसी चीज़ें देखी हैं जो आपने उस अंश में नहीं देखी जिस पर आप काम कर रहे हैं, या

आप उस अंश में ऐसी चीजें देख सकते हैं जिस पर आप काम कर रहे हैं जिसकी चर्चा आपने टिप्पणी में नहीं देखी। ऐसा हो सकता है।

इस कोर्स को पूरा करने के बाद या सेमिनरी से स्नातक होने के बाद भी आप व्याख्या में विशेषज्ञ नहीं बन पाएंगे, लेकिन अगर आप इन निम्नलिखित वस्तुओं पर काम करते हैं, तो हमें जिन विशेषताओं पर काम करने की ज़रूरत है, आपकी व्याख्या साल दर साल बेहतर होती जाएगी। तो, ये विशेषताएँ क्या हैं? चलिए सबसे पहले नंबर एक पर नज़र डालते हैं, अंग्रेज़ी। या, अगर अंग्रेज़ी आपकी मूल भाषा नहीं है, तो आपकी मूल भाषा बाइबल का ज्ञान है।

तो, हम यहाँ अंग्रेज़ी बाइबल ज्ञान कहेंगे। जितना अधिक आप बाइबल के बाकी हिस्सों को जानते हैं, उतना ही बेहतर आप उस विशेष अंश को समझ सकते हैं जिस पर आप काम कर रहे हैं। तो, यह कुछ ऐसा है जो हमें करने की ज़रूरत है।

हमें बाइबल को समझने पर काम करने की ज़रूरत है। परमेश्वर ने वास्तव में बाइबल को इस तरह से डिज़ाइन किया है कि शास्त्र आपको शास्त्र की व्याख्या करने में मदद करे। कंप्यूटर बाइबल के आगमन के बाद से, हमें किसी विशेष शब्द, या किसी विशेष अंग्रेज़ी शब्द, या नए नियम में किसी विशेष ग्रीक शब्द, या पुराने नियम में किसी विशेष हिब्रू या अरामी शब्द, या शास्त्र में कहीं और की सभी घटनाओं को खोजने की कोशिश करना बहुत आसान हो गया है।

हालांकि, यह भी गारंटी नहीं देता कि आपको किसी विशेष मामले से संबंधित सभी प्रासंगिक अंश मिल जाएंगे क्योंकि उनमें से कुछ में समान शब्दावली का उपयोग नहीं किया जा सकता है लेकिन फिर भी वे किसी ऐसी चीज के बारे में बात कर रहे हैं जो आपके लिए बहुत प्रासंगिक है। क्रॉस-रेफरेंस बाइबल को इस समस्या को हल करने के लिए डिज़ाइन किया गया था ताकि आपको ऐसे अन्य अंश मिल सकें जिनमें समान शब्दों का उपयोग नहीं किया जा सकता है, और विषयगत अनुक्रमणिकाएँ भी इसी तरह की चीजें करती हैं, लेकिन यह गारंटी नहीं देती कि आपको सब कुछ मिल जाएगा। बेशक, हम यहाँ सामान्य रूप से डॉक्टरेट शोध प्रबंध लिखने की कोशिश नहीं कर रहे हैं, लेकिन हम एक अंश को समझने की कोशिश कर रहे हैं, और मैं कहूँगा कि एक महत्वपूर्ण लक्ष्य यह है कि जब आप किसी अंश का अध्ययन समाप्त करते हैं, तो आप इसे अध्ययन शुरू करने से पहले की तुलना में बेहतर समझते हैं।

और अगर आप ऐसा करते हैं, तो आपके उपदेश या आपकी बाइबल शिक्षा या संडे स्कूल के पाठ आदि, आपके साथ काम करने वाले लोगों के लिए यथोचित रूप से दिलचस्प या मददगार होने चाहिए। खैर, आपके जीवन के बाकी हिस्सों में काम करते रहने के लिए एक महत्वपूर्ण चीज है अपनी मूल या हृदय भाषा में बाइबल का ज्ञान। ऐसा करने में खुद की मदद करने के लिए, मैंने साल में एक बार बाइबल पढ़ने की कोशिश की है और पिछले 40 या 50 सालों से ऐसा कर रहा हूँ, मुझे लगता है।

अगर आप बाइबल में अध्यायों की गिनती करें, तो पुराने नियम में 929 अध्याय हैं, और नए नियम में 260 अध्याय हैं, यानी कुल 1189 अध्याय। तो, मान लीजिए कि एक साल में यानी 365 दिनों में

बाइबल को पूरा पढ़ने के लिए आपको एक दिन में कई अध्याय पढ़ने होंगे। अगर आप 365 दिनों में एक बार बाइबल को पूरा पढ़ लेते हैं, तो आपको एक दिन में 3.26 अध्याय पढ़ने होंगे।

खैर, इससे क्या होगा? खैर, यह लगभग एक दिन में तीन अध्याय है, और अगर आप इसे इस तरह से करना चाहते हैं तो रविवार को पाँच अध्याय। या, अगर आप एक दिन में चार अध्याय पढ़ते हैं, तो आप पुराने नियम को एक बार और नए नियम को दो बार पढ़ सकते हैं। बहुत से लोग इन एक-वर्षीय बाइबलों का उपयोग करते हैं, जो आपको पुराने नियम से एक अंश, नए नियम से एक अंश, भजन संहिता से एक अंश, एक छोटी सी कहावत आदि देती हैं।

और वे निश्चित रूप से बाइबल को पढ़ने के लिए सहायक हैं। इस तरह से आगे-पीछे कूदने से आप थोड़ी सी निरंतरता खो सकते हैं, लेकिन मैंने निश्चित रूप से ऐसा कई बार किया है। इसलिए, मुझे लगता है कि यह मददगार है।

इसलिए, मैं बाइबल के विभिन्न संस्करणों का उपयोग करने का भी प्रयास करता हूँ, और मैंने बहुत से अलग-अलग संस्करण पढ़े हैं। मैंने एक बार NIV स्टडी बाइबल को पढ़ने में दो साल बिताए, जिसमें मैंने इसके सभी नोट्स और सभी पाठों को पढ़ा। इस तरह की चीजें आपकी मूल भाषा, बाइबल के बारे में आपके ज्ञान को मजबूत करने में सहायक हो सकती हैं।

कुछ और चीजें हैं जो आप कर सकते हैं। सेमिनरी प्रोग्राम में, हम आम तौर पर मानते हैं कि आप हिब्रू और ग्रीक वगैरह सीख रहे हैं। इसलिए, आपको अपनी बाइबिल भाषा की योग्यता पर काम करते रहना चाहिए।

ग्रीक और हिब्रू आदि सीखने के लिए आपने बहुत मेहनत की है, बहुत मेहनत की है, लेकिन अगर आप इसका इस्तेमाल नहीं करते हैं तो यह ज्ञान खत्म हो जाएगा। मेरा सुझाव है कि आप हर दिन या हर हफ्ते कुछ समय इस पर लगाएं, और अगर आप ऐसा करते हैं, तो मुझे लगता है कि आपकी हिब्रू और ग्रीक भाषा कुछ हद तक बेहतर हो जाएगी और अगर आप चाहें तो बेहतर बनी रहेगी। मेरे एक पूर्व सहकर्मी टॉम टेलर, जो बाइबिलिकल में प्रोफेसर हैं, ने एक भक्ति पुस्तक की सिफारिश की।

मुझे नहीं पता कि यह अभी भी उपलब्ध है या नहीं। आप इस पर Google पर खोज कर सकते हैं। इसे लाइट फॉर द पाथ कहा जाता है, और यह प्रत्येक दिन के लिए ग्रीक न्यू टेस्टामेंट से एक छोटा सा अंश और प्रत्येक दिन के लिए हिब्रू बाइबिल से एक या दो श्लोक प्रदान करता है, साथ ही अनुवाद में कुछ सहायता भी देता है।

एक और तरीका, हम मान रहे हैं कि आप यहाँ किसी तरह की ईसाई सेवा में हैं, मूल रूप से उस सप्ताह के उस अंश का अनुवाद करना है जिस पर आप प्रचार करने जा रहे हैं, या यदि आप संडे स्कूल या बाइबल क्लास या बाइबल अध्ययन या कुछ और पढ़ा रहे हैं, तो उस अंश का अनुवाद करें, पुराने नियम और नए नियम को मिलाने की कोशिश करें ताकि दोनों भाषाओं को कार्यात्मक बनाए रखा जा सके। मेरा एक दोस्त, अल जैक्सन, जो कई सालों तक वर्जीनिया में पादरी था, मुझे

नहीं पता कि वह अब भी जीवित है या नहीं, हर साल न्यू टेस्टामेंट ग्रीक के छात्रों के लिए मेट्रजगर के लेक्सिकल एड्स को पढ़ता था। यह बहुत प्रभावशाली है।

तो यह मेरे द्वारा किए गए काम से बेहतर है, मुझे कहना होगा। मैंने आवृत्ति सूची में नियमित रूप से 30 तक पहुँचने की कोशिश की, लेकिन इसके अलावा भी बहुत सी सूचियाँ हैं जो आपको ऐसे शब्दों तक ले जाती हैं जो 10 बार या उससे ज़्यादा बार आते हैं। खैर, मैं आपको सलाह दूँगा कि आप समय-समय पर अपने व्याकरण की समीक्षा करने की कोशिश करें, और यह, ज़्यादातर लोगों के लिए, बहुत रोमांचक नहीं है।

लेकिन ग्रीक भाषा को देखकर पढ़ने पर भी काम करें, देखें कि आप शब्दकोश या शब्दकोश में देखे बिना इसे करके कितना ग्रीक समझ सकते हैं। एक तरीका जो अक्सर न्यू सेमिनरी के छात्र इस तरह की चीजें करते हैं वह यह है कि वे अपने ग्रीक, न्यू टेस्टामेंट या हिब्रू बाइबिल को अपने साथ चर्च ले जाते हैं। जब सेवा में बाइबिल पढ़ी जाती है, तो वे उसके साथ चलने की कोशिश करते हैं।

और यह भी मददगार हो सकता है। हो सकता है कि आप चर्च में अपने साथ अंग्रेज़ी बाइबल, ग्रीक बाइबल या हिब्रू बाइबल ले जाने से थक जाएँ। लेकिन, हाँ।

ठीक है, तो कुछ बाइबिल भाषा दक्षता दूसरी चीज़ है जिस पर काम करना है। मेरा सुझाव है कि काम करने वाली तीसरी चीज़ है बाइबिल की पृष्ठभूमि। अब, यदि आप किसी भी क्षमता में प्रभु की सेवा कर रहे हैं जिसमें शास्त्रों का अध्ययन, उपदेश देना या बाइबिल अध्ययन सिखाना, या ऐसा कुछ शामिल है, तो आपको अगले धर्मोपदेश या अगले बाइबिल अध्ययन सत्र या जो भी हो, के लिए विशेष अंश पर काम करने में समय बिताना होगा।

विशिष्ट अंशों के लिए यह विशेष अध्ययन आपको टिप्पणियों में और शायद कभी-कभी बाइबल विश्वकोश या इस तरह के अन्य लेखों में ले जाएगा ताकि आपको उस विशेष अंश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के बारे में कुछ जानकारी मिल सके। हालाँकि, मुझे लगता है कि आपको अपनी बाइबल पृष्ठभूमि विकसित करने में एक महत्वपूर्ण पहलू पर काम करने की ज़रूरत है, वह है उन सामग्रियों के माध्यम से काम करने की कोशिश करना जो आपके विशिष्ट अंश से कहीं ज़्यादा व्यापक अवलोकन प्रदान करती हैं। इसलिए, प्राचीन इतिहास, प्राचीन संस्कृति और नए नियम के समय या पुराने नियम के समय के कुछ अन्य धर्मों का अवलोकन प्राप्त करना सहायक है जो आपको अपने समय में पुराने नियम और नए नियम के प्रभाव को समझने में मदद करेगा।

और यह कभी-कभी आपको पाठ में ऐसी चीज़ों को नोटिस करने में मदद करेगा जो शायद आप अन्यथा नहीं देख पाते क्योंकि आपके पास वास्तव में यह पृष्ठभूमि है, और आप कहते हैं, कहते हैं, यह इस या उस तरह की चीज़ जैसा लगता है। खैर, इस तरह की पृष्ठभूमि केवल काफी व्यापक पढ़ने से ही आएगी। कई सालों तक, मैंने उन सभी पुस्तकों की एक सूची बनाई जो मैंने 1968 से शुरू की थी, मुझे लगता है।

यह तब की बात है जब मैंने सेमिनरी शुरू की थी। और यह सालाना 50 से ज़्यादा किताबें पढ़ने के बराबर था, मुझे लगता है कि इनमें से छह सालों में यह 100 से ज़्यादा था। आखिरकार मैं इससे दूर हो गया और करीब 20 साल पहले मैंने इसे छोड़ दिया, और अब मैं इसमें वापस आने की कोशिश कर रहा हूँ।

लेकिन मेरी योजना कुछ प्राथमिक स्रोतों को पढ़ने की थी। जाहिर है, मैंने ग्रीक में जोसेफस को पढ़ने की कोशिश नहीं की, जो कि काफी कठिन है, लेकिन मुझे लगा कि डेड सी स्क्रॉल और उस तरह की चीज़ों में जोसेफस के लिए अंग्रेजी काफी अच्छी थी। यह आपको पृष्ठभूमि प्रदान करता है, और आप, आखिरकार, इनमें से किसी एक क्षेत्र में डॉक्टरेट कार्यक्रम नहीं कर रहे हैं।

इसलिए, मैंने जोसेफस, डेड सी स्क्रॉल, ओल्ड टेस्टामेंट, न्यू टेस्टामेंट, अपोक्रिफा, नाग हम्मादी, ग्नोस्टिक ग्रंथ और कुछ रब्बी साहित्य पढ़ा। यह सब पढ़ने की कोशिश करना बहुत बड़ा काम है। और मैं फिलो पर था जब मैं फंस गया, इसलिए मैंने फिलो की अपनी कॉपी में एक बुकमार्क लगा रखा है और अब काफी सालों से मैंने इसके साथ कुछ नहीं किया है, मुझे डर है।

मैंने प्राचीन इतिहास या प्राचीन ग्रीक और रोमन दुनिया के विश्वकोश या रोम में रोज़मर्रा की ज़िंदगी, प्राचीन ग्रीक युद्ध, पुरातत्व और इस तरह की किताबों पर भी किताबें पढ़ी हैं। तो, मैं एक न्यू टेस्टामेंट प्रोफेसर था, इसलिए जाहिर है, इसने कुछ तरह की चीज़ों को नियंत्रित किया जो मैंने पढ़ीं। यदि आप एक पादरी या परामर्शदाता हैं, तो जाहिर है, आपको पादरी से संबंधित मामलों और परामर्श संबंधी मामलों और इस तरह की चीज़ों को पढ़ने में कुछ समय लगाना होगा, जो मैंने वास्तव में नहीं किया।

लेकिन आपको इन व्यापक क्षेत्रों में पढ़ने की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए क्योंकि वे बाइबिल की दुनिया के बारे में आपकी समझ को मजबूत करेंगे। आखिरकार, हम मानते हैं कि बाइबिल हमारे लिए ईश्वर का रहस्योद्घाटन है, और हम इसे जितना हो सके उतना समझना चाहते हैं। तो, ये तीन चीज़ें हैं जिन पर आपको काम करने की ज़रूरत है।

एक चौथा है, जो कुछ मायनों में उन सभी से ज़्यादा महत्वपूर्ण है, और इसे मैं आध्यात्मिक अंतर्दृष्टि कहता हूँ। हमें अपनी आध्यात्मिक अंतर्दृष्टि बनाने पर काम करने की ज़रूरत है। आपको याद होगा कि 1 कुरिन्थियों 13 में पॉल ने कहा था कि सबसे शानदार उपहार प्रेम के बिना बेकार है।

तो फिर भी, बाइबल की व्याख्या करने के लिए मानसिक और ग्रंथसूची उपकरणों का सबसे पूरा सेट, हम क्या कहेंगे, वास्तविक आध्यात्मिक जीवन और वास्तविक आध्यात्मिक अंतर्दृष्टि के बिना प्रतिकूल परिणाम देने वाला है। इसलिए, अगर हम यीशु को नहीं जानते हैं, तो हमारे सभी व्याख्यात्मक कौशल अंत में हमारी निंदा में ही वृद्धि करेंगे। अगर हम यीशु को जानते हैं, तो हम आध्यात्मिक अंतर्दृष्टि में बढ़ेंगे क्योंकि हम अनुभव प्राप्त करते हैं, और हम जीवन जीने के माध्यम से, अपनी समस्याओं का सामना करने के माध्यम से, अन्य लोगों की समस्याओं में मदद करने के माध्यम से अनुभव प्राप्त करते हैं।

और फिर वे चीजें हमें अक्सर पवित्रशास्त्र में ऐसी चीजें देखने के लिए प्रेरित करेंगी जिन्हें हमने पहले नहीं देखा था लेकिन वास्तव में वहाँ हैं। इसलिए, यह बिल्कुल ज़रूरी है कि हम परमेश्वर के साथ घनिष्ठ संवाद करें और अच्छी व्याख्या करने के लिए उससे प्रेम करें। इसलिए, ये कुछ ऐसी चीजें हैं जिन्हें हमें बाइबल की अपनी व्याख्या को बेहतर बनाने के लिए विकसित करने की आवश्यकता है।

मैं आगे बढ़ना चाहता हूँ और फिर सिनॉट्रिक गॉस्पेल में शैलियों के बारे में थोड़ी बात करना चाहता हूँ। शैली शब्द फ्रेंच से आया है, और फ्रेंच में, जहाँ तक मुझे पता है, इस शब्द का मतलब सिर्फ़ दयालु होता है। तो, यह एक तरह का सामान्य शब्द है।

लेकिन अंग्रेजी में आते ही यह एक तकनीकी शब्द बन गया है, ठीक वैसे ही जैसे स्पेनिश में सोम्ब्रेरो शब्द का मतलब सिर्फ़ टोपी होता है। लेकिन अंग्रेजी में इसका मतलब एक बड़ी फ्लॉपी टोपी है जिसे मैक्सिकन लोग पहनते हैं। शैली अंग्रेजी साहित्यिक अध्ययन में एक तरह के साहित्य, एक तरह के लेखन या एक तरह के बोलने के लिए एक शब्द है।

यह गद्य और कविता के बीच के अंतर जितना व्यापक हो सकता है, या यह किसी विशेष प्रकार की विशिष्ट कविता, जैसे कि लिमरिक या सॉनेट या उस तरह की किसी चीज़ जितना संकीर्ण हो सकता है। खैर, एक शैली के रूप में पहचाने जाने के लिए, हमें उस शैली की विशेषताओं की किसी प्रकार की सूची बनाने में सक्षम होना चाहिए जो इसे अन्य शैलियों से अलग करती है। हम यहाँ सिनॉट्रिक गॉस्पेल में आम कई शैलियों को देखने जा रहे हैं।

इस कोर्स के सप्ताहों में, हम चार अलग-अलग अंशों को देखेंगे, और उनमें से प्रत्येक एक अलग शैली का प्रतिनिधित्व करता है। यहाँ एक तरह की सामान्य कथा होगी, और हम एक चमत्कार और एक दृष्टांत, साथ ही एक विवादास्पद विवरण आदि को देखेंगे। इस बिंदु पर, मैं आमतौर पर एक छोटा सा क्लास अभ्यास करता हूँ और उनसे पूछता हूँ कि कविता की कुछ विशेषताएँ क्या हैं। और इसका उत्तर वास्तव में इस बात पर निर्भर करेगा कि आप किस भाषा के बारे में बात कर रहे हैं।

हममें से ज़्यादातर लोग जो बाइबल का अध्ययन करते हैं, उन्होंने हिब्रू कविता के बारे में काफ़ी सोचा है, और हिब्रू कविता, अंग्रेज़ी कविता के विपरीत, ज़रूरी नहीं कि उसमें तुक हो, और हम हमेशा इसके मीटर वगैरह के बारे में निश्चित नहीं होते, लेकिन इसमें एक संरचना होती है, जिसे हम समानांतरता कहते हैं, जिसमें बाद की पंक्तियों को इस तरह से डिज़ाइन किया जाता है कि वे एक-दूसरे से कुछ खास तरीकों से संबंधित हों, चाहे वे एक ही चीज़ को दोहराएँ या उसमें थोड़ा-बहुत जोड़ें या वे कुछ ऐसा करें जो इसके विपरीत हो, सिक्के के दूसरे पहलू को देखें, तो कहें तो, हिब्रू कविता की ऐसी विशेषताएँ होंगी जो हमें अंग्रेज़ी कविता में आम तौर पर नहीं दिखतीं। लेकिन अंग्रेज़ी कविता और हिब्रू कविता में कल्पना को आकर्षित करने के लिए अलंकारों का ज़्यादा इस्तेमाल किया जाता है। तो, हम उन चीज़ों की एक सूची बना सकते हैं जो हमें हिब्रू कविता में मिलनी चाहिए।

मान लीजिए आपने धर्मोपदेश की शैली आजमाई। धर्मोपदेश की विशेषताएँ क्या होंगी? खैर, धर्मोपदेश के इतने विविध प्रकार हैं कि यह काफी कठिन हो सकता है। आप धर्मोपदेश की परिभाषा से शुरू कर सकते हैं और कह सकते हैं कि धर्मोपदेश एक चर्च या आराधनालय या ऐसी किसी चीज़ की मण्डली को दिया जाने वाला भाषण है जिसका उद्देश्य उन्हें सही व्यवहार या सही दृष्टिकोण या इस तरह की किसी चीज़ के लिए प्रेरित करना है, यह कहने का एक सामान्य तरीका होगा।

अगर आप क्लासिक धर्मोपदेश के बारे में सोचें, जो अक्सर किसी तरह की कहानी से शुरू होता है, मैं काफी आधुनिक क्लासिक धर्मोपदेशों के बारे में सोच रहा हूँ, किसी तरह की कहानी से शुरू होता है और फिर बीच में ही छोड़ दिया जाता है और अगर आप चाहें तो कहानी के अंत को निष्कर्ष के तौर पर पेश किया जाता है। इसे साहित्यिक अध्ययनों में इनक्लूसियो कहा जाता है। और फिर बीच में, कम से कम क्लासिक धर्मोपदेश में तीन बिंदु बनाने की प्रवृत्ति होती थी, और कुछ लोग अंश के आधार पर दो या चार बिंदु बनाते हैं।

आखिरकार, अगर आप किसी अंश की व्याख्या करने की कोशिश कर रहे हैं, तो आपको अंश की संरचना के साथ रहना चाहिए और इस बात पर बहुत ज़्यादा ध्यान नहीं देना चाहिए कि आपके पास कितने उपदेश बिंदु हैं। और फिर वे इस बात पर भिन्न हो सकते हैं कि क्या आप प्रत्येक बिंदु के बाद उस बिंदु का अनुप्रयोग करते हैं या क्या आप सभी अनुप्रयोगों को समापन अनुभाग या उस तरह की किसी चीज़ के लिए सहेज कर रखते हैं। पुराने दिनों में, एक उपदेश अक्सर एक कविता या उस तरह की किसी चीज़ के साथ समाप्त होता था।

लेकिन मुझे लगता है कि आजकल ऐसा होना बहुत दुर्लभ है। एक और विधा, एक शब्द-क्रीड़ा के बारे में क्या ख्याल है? शब्द-क्रीड़ा क्या है? खैर, अगर आप चाहें तो यह एक तरह का मज़ाक है। यह एक ऐसा मज़ाक है जो दो शब्दों पर आधारित होता है जो शायद अंग्रेज़ी में एक जैसे हों या अंग्रेज़ी में बहुत समान हों।

मुझे याद है कि ड्यूक में हमारे एक भौतिकी प्रोफेसर ने मुझे एक या शायद दो बार एक बुजुर्ग दंपति के बारे में बताया था और बताया था कि कैसे उनके बेटों ने एक खेत पा लिया था। बुजुर्ग दंपति, माता-पिता, उस खेत को फोकस रेंच कहते थे। किसी ने पूछा कि उन्होंने इसे फोकस रेंच क्यों कहा। और उन्होंने कहा, ठीक है, यह वह जगह है जहाँ बेटे मांस पालते हैं।

और आप इसमें तिहरा व्यंग्य देख सकते हैं। सूर्य आकाश में मौजूद वस्तु और उनके बेटों के लिए है। और सूर्य की किरणें जानवरों और मांस को पाल रही हैं।

खैर, मैं इस पर आपको ज़्यादा नहीं बताऊंगा, लेकिन यह एक उदाहरण है। खैर, हम यहाँ कुछ शैलियों पर नज़र डालने जा रहे हैं जिन्हें हम इस पाठ्यक्रम में कक्षा में शामिल करते हैं और कुछ जिन्हें हम शामिल नहीं करते हैं। सबसे पहले, कथा की शैली एक सामान्यीकृत कथा है।

हम मैथ्यू 2 में बुद्धिमान पुरुषों की कहानी और बुद्धिमान पुरुषों की यात्रा पर विचार करेंगे। फिर, मैं एक टर्म पेपर देता था, और वे छह या आठ टर्म पेपर विषयों में से चुन सकते थे; यीशु के पुनरुत्थान के बाद इम्मांस की यात्रा, यदि आप चाहें तो, लूका 24 में एक सामान्य कथा होगी। और

फिर हम एक चमत्कार की कहानी पर विचार करेंगे। और इस कोर्स में हम जिस पर विचार करेंगे वह है मार्क 5 में गदरेन राक्षसी। फिर, संभावित टर्म पेपर विषय के रूप में, हम लूका 7 में सेंचुरियन के विश्वास पर चर्चा करेंगे। हम कक्षा में जो दृष्टांत करते हैं, वह मैथ्यू 22 में शाही विवाह भोज है।

टर्म पेपर विषय के लिए, छात्र चुन सकते हैं कि उन्हें मार्क 12 में दुष्ट किरायेदार और दुष्ट किरायेदार किसान पसंद हैं या नहीं। या, एक विवादास्पद खाते के लिए, हम ल्यूक 11 में बेलज़ेबूब द्वारा राक्षसों को बाहर निकालने पर विचार करने जा रहे हैं। लेकिन टर्म पेपर विषय के लिए, मार्क 2 में सब्त के दिन अनाज चुनना। सुसमाचार में कई अन्य शैलियाँ हैं जो अधिक या कम आवृत्ति के साथ होती हैं जिन्हें हम सीमाओं के कारण कक्षा में शामिल नहीं करते हैं।

लेकिन उदाहरण के लिए, एक प्रवचन। प्रवचन क्या है? अच्छा, एक व्यक्ति बात कर रहा है, लेकिन इसमें आगे-पीछे बात नहीं होती है जैसे कि संवाद या कुछ और में होती है। उदाहरण के लिए, मैथ्यू 6 में यीशु की टिप्पणी चिंता न करने के बारे में है।

इसलिए, अपने जीवन, अपने भोजन या कपड़ों या इस तरह की चीज़ों के बारे में चिंता न करें। एक और शैली जो नए नियम और सुसमाचारों में कई बार आती है, वह है प्रतीकात्मक क्रिया या अभिनय किए गए दृष्टांत। और सुसमाचारों में ऐसे कई उदाहरण हैं।

मैं यहाँ तीन संभावनाएँ बता रहा हूँ। संभवतः आठ या दस संभावनाएँ ऐसी हैं जिनके बारे में आप सुझाव दे सकते हैं कि इस पर कुछ बहस हो सकती है। लेकिन यीशु द्वारा मंदिर को साफ करना एक वास्तविक कार्य है और किसी तरह से प्रतीकात्मक भी है और मत्ती 21 में इसके समानांतर पाया जाता है।

या यूहन्ना 13 में यीशु द्वारा शिष्यों के पैर धोना। या समानांतर रूप से मरकुस 11 में यीशु द्वारा अंजीर के पेड़ को श्राप देना। तो, ये प्रतीकात्मक कार्यों के उदाहरण होंगे।

आप कैसे बता सकते हैं कि वे प्रतीकात्मक कार्य हैं? खैर, यह ज़्यादा पेचीदा है। दृष्टांतों के विपरीत, आमतौर पर दृष्टांत के साथ, व्यक्ति आपको बताता है कि वे एक दृष्टांत बता रहे हैं। प्रतीकात्मक कार्रवाई के साथ, वे ज़रूरी नहीं कि आपको यह बताएं।

इसलिए, आपको कुछ असामान्य क्रियाकलापों और फिर कुछ ऐसा देखने के लिए सावधान रहना होगा जो ऐसा लगता है कि संदर्भ आपको इस बात का कुछ अंदाजा देता है कि प्रतीकात्मकता क्या हो सकती है। तो, निश्चित रूप से, यीशु द्वारा मंदिर से पैसे बदलने वालों को बाहर निकालना असामान्य था, अगर आप चाहें। लेकिन जिस प्रभु की आप तलाश कर रहे हैं वह अचानक अपने मंदिर में आ जाएगा, और जो मलाकी में उसके आने के दिन का सामना कर सकता है, मुझे लगता है कि इसके लिए एक बहुत मजबूत पृष्ठभूमि है।

मंदिर के दुरुपयोग के बारे में यीशु की टिप्पणियाँ और ऐसी ही अन्य बातें इसी श्रेणी में आती हैं। एक शैली जो नए नियम में केवल दो बार आती है, मुझे लगता है, लेकिन पुराने नियम में काफी



बार आती है, वह है वंशावली। और हमारे पास मैथ्यू में एक और ल्यूक में एक है, दोनों यीशु के लिए और एक समान नहीं हैं।

यह भी दिलचस्प है। इस बारे में बहुत चर्चा हुई है। मेरा अपना अनुमान है कि ल्यूक की वंशावली संभवतः मैरी की वंशावली है, और मैथ्यू की वंशावली जोसेफ की वंशावली है।

अंश हमें यह नहीं बताते। मुझे लगता है कि जब हम सुसमाचार की विषय-वस्तु पर संक्षेप में चर्चा करेंगे, तो हम वापस आकर इस बारे में कुछ कहेंगे। एक और शैली जो काफी आम है, उसे हम संवाद कहते हैं।

यहीं पर दो लोग, आमतौर पर सिर्फ़ दो लोग, एक दूसरे से बात कर रहे होते हैं। इसलिए, मैथ्यू और ल्यूक में प्रलोभन की कहानी, शैतान और यीशु एक दूसरे से बात कर रहे हैं। या मैथ्यू 8 में यीशु के दो संभावित अनुयायियों के बारे में यीशु की टिप्पणी, और वे अलग-अलग बातें कहते हैं, और वह उनसे बात करता है।

मार्क 10 में अमीर युवा शासक भी इसी श्रेणी में आता है। तो, ये सुसमाचारों में पाए जाने वाले विभिन्न शैलियों के कुछ नमूने हैं। हम इस सत्र के लिए कथा शैली पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं।

तो, आइए इसके बारे में थोड़ा सोचें, इससे पहले कि हम वास्तव में इसका एक विशेष उदाहरण देखें। और पहली चीज़ जो हम करने की कोशिश करते हैं, वह है शैली को परिभाषित करना, अगर आप चाहें तो। हम कथा को कैसे परिभाषित करते हैं? खैर, एक कथा, बहुत संक्षेप में, एक कहानी, एक विवरण, या घटनाओं की एक कहानी है।

तो, यह घटनाओं की एक श्रृंखला से संबंधित है। एक कथा या तो तथ्यात्मक हो सकती है या काल्पनिक, हालांकि मैं समझता हूँ कि सभी बाइबिल कथाएं तथ्यात्मक होती हैं जब तक कि किसी तरह से चिह्नित न हों। उदाहरण के लिए, दृष्टान्तों में कथाओं का तथ्यात्मक होना जरूरी नहीं है।

और हमारे पास इसके कुछ उदाहरण हैं। नाथन द्वारा दाऊद को बताई गई कहानी, जिसमें अमीर आदमी और गरीब आदमी अपनी भेड़ के बच्चे के साथ थे, आदि एक काल्पनिक कहानी है।

या फिर वह जिसमें भविष्यवक्ता अहाब को उस कैदी के बारे में बताता है जो भाग गया और दिखावा करता है कि वह घायल हो गया है। खैर, वह वास्तव में घायल हो गया है, लेकिन वह एक नकली घाव था, आदि। ये उस तरह की चीज़ों के उदाहरण हैं।

इसलिए, यह जरूरी नहीं है कि शास्त्र की अचूकता के लिए दृष्टान्तों में होने वाली कथाएं गैर-काल्पनिक हों, अगर आप चाहें तो। लेकिन मैं शास्त्र में अन्य सभी कथाओं को वास्तव में घटित होते हुए देखूंगा, हालांकि उनमें से कई को एक या दूसरे व्याख्याकार द्वारा अस्वीकार कर दिया

गया है। कथाएं वास्तव में एक व्यापक शैली हैं, और यह कुछ ऐसा है जो मुझे पहले कहना चाहिए था।

खैर, मुझे लगता है कि मैंने एक बार यह कहा था। मैंने कहा था कि एक विधा गद्य या कविता जितनी व्यापक हो सकती है या दूसरी जितनी संकीर्ण भी हो सकती है। इसलिए, कथा एक बहुत व्यापक विधा है।

आम तौर पर गद्य के अंतर्गत एक उपवर्ग होता है, लेकिन हमेशा नहीं। काव्यात्मक आख्यान होते हैं। उदाहरण के लिए, डेबोरा और बराक का गीत एक आख्यान होगा, फिर भी यह कविता में है।

यह न्यायियों 5 में है। होमर का इलियड एक कथा है, लेकिन यह कविता में है, आदि। मिल्टन का पैराडाइज लॉस्ट, मुझे लगता है, एक कथा है, लेकिन यह कविता में है। हालाँकि, कम से कम आधुनिक साहित्य में, यह आमतौर पर गद्य में होता है।

हालाँकि, बहुत सी अन्य चीज़ें गद्य में हैं। तो, हम एक कथा को प्रार्थना से कैसे अलग कर सकते हैं? यह काफी सीधा है। प्रार्थना एक घोषणा है, भगवान से बात करना, अगर आप चाहें तो, कुछ इस तरह की बात है।

व्याख्या, आप कुछ समझा रहे हैं। संवाद दो लोगों के बीच आगे-पीछे होता है, हालाँकि, संवाद एक कथा का हिस्सा भी हो सकता है। प्रवचन, एक व्यक्ति का बोलना, आदि।

तो, ये सभी चीज़ें, प्रार्थना, व्याख्या, संवाद और प्रवचन, एक कथा में शामिल हो सकती हैं, और कभी-कभी, उनमें एक कथा भी शामिल हो सकती है। यह एक लंबा संवाद होना चाहिए, लेकिन शायद एक छोटे प्रवचन में भी किसी तरह की कथा हो सकती है। उदाहरण के लिए, आप कह सकते हैं कि अगर आप चाहें तो सैनहेड्रिन को दिए गए स्टीफन के भाषण को एक प्रवचन कह सकते हैं, लेकिन यह एक कथा भी है, या इसमें कथाएँ शामिल हैं, अगर आप चाहें तो, या इस बारे में टिप्पणियों के साथ कि इस्राएलियों ने यूसुफ या मूसा के संबंध में कैसा व्यवहार किया, या इस तरह की कोई और बात।

खैर, तो सुसमाचार और प्रेरितों के काम, वास्तव में, कथाएँ हैं, और फिर भी उनमें ये अन्य शैलियाँ भी शामिल हैं। ठीक है, कथा के घटक, क्योंकि आखिरकार, जब आप किसी शैली की परिभाषा बना रहे होते हैं, तो आपको कुछ ऐसी विशेषताएँ देनी होती हैं जो उसे चिह्नित करती हैं, और कथा का एक महत्वपूर्ण घटक अभिनेता या पात्र होते हैं, वे व्यक्ति जो कथा में दिखाई देते हैं, या तो घटनाओं का कारण बनते हैं या घटनाओं से प्रभावित होते हैं। वे एक विशेषता हैं जिसे आप कथा में देखने जा रहे हैं।

फिर घटनाएँ या क्रियाएँ, कथा द्वारा वर्णित घटनाएँ, इसलिए अभिनेता, घटनाएँ, दृश्य, घटनाएँ कहाँ घटित होती हैं, समय, देश, क्षेत्र, शहर, घर के अंदर, बाहर, इस तरह की चीज़ें। कथा की एक महत्वपूर्ण विशेषता आम तौर पर कथानक होती है, विशेष रूप से उस कथा की जो, हम क्या कहें, सावधानी से एक साथ रखी गई हो। एक व्यक्ति जो किस्सा सुना रहा है, उसके पास इसके

लिए ज़्यादा कथानक नहीं हो सकता है सिवाय इसके कि कोई हास्यपूर्ण घटना घटी हो या कुछ और।

कथानक कथा में घटनाओं का अंतर्संबंध या विकास है। एक जटिल कथा में एक से अधिक कथानक होंगे, इसलिए एक उपन्यास में आम तौर पर विभिन्न तरीकों से आपस में जुड़े हुए कई अलग-अलग कथानक होंगे। कथानक अक्सर किसी तरह का संघर्ष होता है, और इसलिए कभी-कभी इसे ऐसे खंडों में विभाजित किया जा सकता है जहाँ तनाव बढ़ रहा है, एक चरमोत्कर्ष पर पहुँच जाता है, फिर संघर्ष किसी तरह हल हो जाता है, और तनाव दूर हो जाता है, और मैं परिणामों या किसी चीज़ के बारे में कुछ कह सकता हूँ। तो वे विशेषताएँ, कम से कम, एक कथा, अभिनेता, घटनाएँ, दृश्य, कथानक, कथानक या कथानक के घटक होंगी।

सुसमाचारों में किस तरह की कथाएँ हैं? न्यू टेस्टामेंट की साहित्यिक विशेषताओं पर एक सहायक कार्य लेलैंड राइकेन द्वारा लिखी गई पुस्तक है जिसका नाम है वर्ड्स ऑफ लाइफ, ए लिटरेरी इंट्रोडक्शन टू द न्यू टेस्टामेंट। राइकेन ने बाद में इसे पूरी बाइबल में शामिल करने के लिए विस्तारित किया, और विस्तारित संस्करण का शीर्षक है वर्ड्स ऑफ डिलाइट। खैर, वह सुझाव देता है कि सुसमाचारों में निम्नलिखित प्रकार की कथाएँ होती हैं, और वह उन्हें ऐसे नाम देता है जो इतने सामान्य हैं कि आप इस तरह की कथा शैलियों को अन्य कार्यों में कहीं और पा सकते हैं।

इसलिए, उदाहरण के लिए, घोषणा या जन्म की कहानी, घोषणा या जन्म की कहानी, सुसमाचारों में स्पष्ट रूप से महत्वपूर्ण है। यह घोषणा कि जॉन का जन्म होने वाला है, एलिजाबेथ को दी गई थी, और यह घोषणा कि यीशु का जन्म होने वाला है, मरियम को दी गई थी। वे कुछ हद तक असामान्य होंगे क्योंकि उनमें किसी प्रकार की भविष्यवाणी शामिल है। उनमें अलौकिकता शामिल है।

और फिर जन्म की कहानियों में, बेशक, अलौकिकता शामिल नहीं होनी चाहिए, लेकिन हमारे पास, हम क्या कहें, असामान्य बात है कि जॉन का जन्म उसकी माँ की उम्र के बराबर था, और फिर हमारे पास वास्तव में यीशु का कुंवारी जन्म है, इसलिए वे काफी असामान्य हैं। फिर भी आप कई प्राचीन कहानियों में, और यहाँ तक कि आधुनिक कहानियों में भी, किसी व्यक्ति को अपने चरित्र के जन्म के बारे में कुछ बताते हुए पाएंगे। सुसमाचार की घोषणा में जन्म की कहानियों में, यीशु की विशिष्टता, विभिन्न चीज़ों की ऐतिहासिक वैधता, अलौकिक घटनाओं, भविष्यवाणी की पूर्ति, और शायद उत्साह, एक तरह से या किसी अन्य पर जोर दिया गया है, आपको वह उत्साह याद है जो तब होता है जब जकर्याह मंदिर से बाहर आता है और वह अब और नहीं बोल सकता क्योंकि स्वर्गदूत ने उसे जो बताया था उस पर विश्वास न करने के कारण गूंगा कर दिया है।

घोषणा या जन्म की कहानियाँ। दूसरा उदाहरण बुलावा या बुलावा की कहानियाँ होंगी। ये सुसमाचारों में काफी विशिष्ट हो सकती हैं।

वे यीशु द्वारा लोगों को बुलाने की कहानियाँ हैं। इसलिए, हम सोच सकते हैं कि यीशु समुद्र तट पर आए और नावों में काम कर रहे शिष्यों को बुलाया, आदि। जाहिर है, इस तरह की चीजों को सुसमाचार तक सीमित रखने की आवश्यकता नहीं है, जहाँ आप किसी शिक्षक या किसी नेता के अनुयायी प्राप्त करने या किसी और तरह से उन्हें बुलाने के बारे में बात कर रहे हैं।

लेकिन सुसमाचार के बुलावे और बुलावे की कहानियों की विशेषताओं में, आप इस बात पर ध्यान देंगे कि किसे बुलाया गया है, परिस्थितियाँ क्या हैं, उन्हें किस तरह के बुलावे के लिए बुलाया जा रहा है, और वे किस तरह की प्रतिक्रिया देते हैं। तो, कुछ अर्थों में, आप कह सकते हैं कि आपको बुलावे की कहानी मिल गई है जब यीशु इस व्यक्ति से बात करते हैं और कहते हैं, मेरे पीछे आओ, लेकिन वह व्यक्ति कहता है, मुझे वापस जाने दो और अपने परिवार को अलविदा कहो या ऐसा कुछ करो, या अपने पिता को दफनाओ, जिसका शायद मतलब है कि उनके मरने तक प्रतीक्षा करो। ये नकारात्मक प्रतिक्रिया के उदाहरण हैं।

कोई व्यक्ति यीशु का अनुसरण नहीं करता, या कम से कम उस समय तो नहीं करता। तीसरी तरह की कहानियाँ पहचान की कहानियाँ होंगी। लोगों द्वारा यीशु के बारे में पता लगाने की कहानियाँ।

और फिर से, इन्हें सिर्फ सुसमाचारों तक सीमित रखने की ज़रूरत नहीं है। उदाहरण के लिए, रॉबिन हुड की कहानियों में, एक पहचान की कहानी है जिसमें रॉबिन और उसके आदमियों को पता चलता है कि यह अजीब काला शूरवीर रिचर्ड द लायनहार्टेड है। तो, यह एक पहचान की कहानी है।

लेकिन जाहिर है, सुसमाचारों में यह एक बड़ी बात है क्योंकि यह मसीहा है, न कि केवल इंग्लैंड का राजा। इसलिए, ऐसे लोगों की कहानियाँ हैं जो यीशु को खोजते हैं। इस तरह की शैली के बारे में हम जो सवाल पूछना चाहेंगे, वे होंगे: ऐसी कौन सी परिस्थितियाँ थीं जिनके कारण उन्हें पहचाना गया? तो, उस महिला, इस आदमी ने मुझे वह सब बताया जो मैंने कभी किया था।

क्या वह मसीहा हो सकता है? यह उस तरह का एक नमूना होगा। उस व्यक्ति ने यीशु के बारे में क्या पहचाना? आपको याद है कि नतनएल और यीशु ने उससे कहा था कि जब तुम अंजीर के पेड़ के नीचे थे, तब मैंने तुम्हें देखा था। उसे एहसास हुआ कि फिलिप ने जो उससे कहा था, वह सच है।

पहचान की कहानियाँ। चौथी श्रेणी गवाहों की कहानियाँ होंगी। यीशु या कोई अन्य पात्र इस बात की गवाही देता है कि यीशु कौन है या उसने क्या किया है और इसके लिए क्या सबूत हैं।

इसलिए, सामरिया में कुएँ पर महिला के बारे में की गई टिप्पणी को एक गवाह की कहानी के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा, जिसमें वह ग्रामीणों को बता रही थी कि यीशु कौन है या कुछ और। या एक चंगा हुआ व्यक्ति बाहर जाकर बता रहा था कि यीशु कौन है। यीशु ने हमें कहानी नहीं बताई, लेकिन यीशु ने राक्षसी कहानी में चंगा हुए व्यक्ति को डेकापोलिस में लोगों को यह बताने के लिए भेजा कि यीशु क्या है, परमेश्वर ने उसके लिए क्या किया है, आदि।

गवाहों की कहानियाँ। मुठभेड़ की कहानियाँ - यीशु किस तरह दूसरों को खोजता है, इसकी प्रतिनिधि कहानियाँ।

वे उसकी पहल या शायद उनकी पहल से शुरू करते हैं, यीशु द्वारा उनके जीवन पर कुछ दावा करने के साथ जारी रखते हैं, और उनकी प्रतिक्रिया के साथ समाप्त होते हैं, या तो स्वीकृति या अस्वीकृति। यीशु के पास आने वाले लोग शायद जॉन 3 में यीशु से मिलने वाले निकोडेमस के बारे में सोचते हैं, या जॉन 4 में कुएँ पर महिला का यीशु से सामना, या हमने पहले ही जॉन 1 में नतनएल का उल्लेख किया है, आदि। इसलिए, जॉन के पास व्यक्तियों के लिए इनमें से कई हैं, शायद समकालिक सुसमाचारों में कम आम हैं, लेकिन फिर भी, आप जानते हैं, पीटर और अन्य लोग यीशु का अनुसरण करते हैं और धीरे-धीरे उनकी समझ में वृद्धि होती है कि वह कौन है, आदि, उस श्रेणी में आते हैं।

संघर्ष या विवाद की कहानियाँ। ये सुसमाचारों में सबसे आम कहानियों में से कुछ हैं। यीशु एक विरोधी व्यक्ति या समूह के खिलाफ नायक है जिसे प्रतिपक्षी के रूप में देखा जाता है, और आप सोचते हैं कि आप किस तरह की स्थिति में हैं।

शायद वे यीशु पर हमला कर रहे हैं, और आप देखते हैं कि वह कैसे खुद का बचाव करता है और कैसे वह बात को अपराध में बदल देता है, कैसे यीशु को फायदा मिलता है, और हम क्या सबक सीख सकते हैं, आदि। कर के सवाल पर यीशु को फंसाने के लिए फरीसियों ने हेरोदियों के साथ जो सही जाल बिछाया था और अगर आप चाहें तो वह कैसे उन पर पलटवार करता है, इस संबंध में कुछ बहुत ही चौकाने वाली कहानियाँ हैं।

सातवीं श्रेणी है घोषणा की कहानियाँ। सूचित आलोचना। इन्हें अब कहावत की कहानियाँ कहा जाता है और पहले इन्हें अपोथेम्स कहा जाता था।

लेकिन कुछ प्रकार की घटना यीशु द्वारा कही गई एक बहुत ही प्रभावशाली बात से जुड़ी हुई है। तो, मैंने अभी जो उल्लेख किया है, वह इस प्रकार समाप्त होता है, ठीक है, सीज़र को वह लौटा दो जो सीज़र का है और ईश्वर को वह लौटा दो जो ईश्वर का है, यह एक संघर्ष की कहानी का उदाहरण होगा जो एक घोषणा के साथ समाप्त होती है, यदि आप चाहें तो। चमत्कार की कहानियाँ।

हम अपने एक व्याख्यात्मक अंश में चमत्कार की कहानियों की शैली के अंतर्गत इन पर कुछ विस्तार से चर्चा करने जा रहे हैं। लेलैंड राइकेन इस तरह की एक विशिष्ट संरचना का सुझाव देते हैं, जिसमें सबसे पहले, एक आवश्यकता स्थापित की जाती है। और इसलिए, कथावाचक आमतौर पर कुछ इस बारे में कहेंगे, ठीक है, यह व्यक्ति इन कई वर्षों से या जन्म से ही लंगड़ा था या ऐसा कुछ, या यह व्यक्ति कई वर्षों से शैतानी था या कुछ और।

यीशु की मदद मांगी जाती है और हमेशा नहीं मांगी जाती। कभी-कभी, वह बेथेस्टा के पूल पर साथी की मदद करता है। वास्तव में, अगर आप चाहें, तो वह किसी तरह से वहाँ स्वयंसेवक के रूप में काम करता है।

और दुष्टात्मा से ग्रस्त व्यक्ति यीशु के पास दौड़ता हुआ आता है, और हम नहीं जानते कि दुष्टात्मा से यह सुनकर कि वह कौन है, वह मदद के लिए दौड़ता हुआ आता है या दुष्टात्माएँ हमला करने आती हैं और वास्तव में नहीं जानतीं कि वह कौन है। बहुत सी बातें हैं जो हम नहीं जानते। हम उस पूरी घटना के बारे में और बात करेंगे।

ज़रूरतमंद व्यक्ति या मददगार शायद किसी तरह से आस्था या आज्ञाकारिता व्यक्त करते हैं। तो, लंगड़े आदमी को उठाने वाले चार लोग छत को तोड़ देते हैं और उसे गिरा देते हैं। जाहिर है, मैं इस तरह की सभी चीज़ों से गुज़रने के लिए किसी तरह का विश्वास व्यक्त करता हूँ।

फिर यीशु चमत्कार करते हैं, और फिर पात्र चमत्कार या यीशु या किसी और चीज़ पर प्रतिक्रिया करते हैं। ये आम तौर पर ज़रूरतें होती हैं। यीशु व्यक्ति को विश्वास या कुछ ऐसा व्यक्त करने में मदद करते हैं।

यीशु चमत्कार करते हैं, और पात्र चमत्कार पर प्रतिक्रिया करते हैं, आदि। आप हमेशा उन सभी को नहीं देखते हैं, लेकिन यह भी शैली की एक विशेषता है कि आमतौर पर विशेषताओं की एक सूची होती है, और एक विशेष घटना को, मान लीजिए, महत्वपूर्ण लोगों को संतुष्ट करने की आवश्यकता होती है। उनमें से अधिकांश उस शैली में विचार करने योग्य हैं।

तो, नौवीं श्रेणी जुनून की कहानियाँ हैं - यीशु के परीक्षण, मृत्यु और पुनरुत्थान के इर्द-गिर्द की घटनाओं की कहानियाँ। और फिर, बाहरी साहित्य में, आप किसी न किसी तरह के जुनून की कहानियाँ पा सकते हैं।

फिल्म के बारे में सोचिए। मुझे लगता है कि अब मुझे इसका नाम मिल गया है: ब्रेवहार्ट। यह एक भावुक कहानी के साथ समाप्त होती है, अगर आप चाहें तो विलियम वालेस की मृत्यु, आदि। तो, जाहिर है, यीशु की मृत्यु का महत्व उन सभी अन्य बातों को पीछे छोड़ देता है और वास्तव में, यह सुसमाचारों में मृत्यु दृश्य की सामान्य विशेषता से कहीं अधिक बड़ा हिस्सा लेता है, जो किसी और की जीवनी में होता है।

इसलिए, जुनून की कहानियों को प्रत्येक सुसमाचार के लिए एक पूरे खंड के रूप में देखा जा सकता है, या आप उन्हें अलग-अलग कहानियों में विभाजित कर सकते हैं जो इसे भी बनाते हैं। और फिर राइकेन ने दसवीं कहानी के रूप में संकर कहानियों का उल्लेख किया है। और जैसा कि हम आगे बढ़ते हैं, हमने पहले ही संकेत दिया है कि इनमें से कई चीज़ें वास्तव में दो या तीन विशेष चीज़ों का संयोजन हैं।

तो, ऐसी कहानियाँ जो अन्य चमत्कार कहानियों के तत्वों को जोड़ती हैं, जो पहचान, घोषणा की कहानियाँ, जो मुठभेड़ें आदि उत्पन्न करती हैं, उस तरह की श्रेणी में आती हैं। खैर, यह कथा शैली का एक बहुत ही त्वरित दौरा है और व्याख्या के लिए कैसे संगठित होना है, इस पर थोड़ा सा है।

अब हम वास्तव में एक कथा की व्याख्या करने जा रहे हैं, एक कथा की व्याख्या करते हैं, और यह मैथ्यू 2 में बुद्धिमान पुरुषों की यात्रा की घटना है। पूरा अध्याय, वास्तव में, श्लोक 1 से 23 तक। एक कक्षा की स्थिति में, मैंने उन्हें यह सब अनुवाद करने के लिए नियुक्त किया होगा, और

इसलिए हम कक्षा में घूमेंगे और विभिन्न लोगों को इंगित करेंगे और कहेंगे, हमारे लिए श्लोक 1 का अनुवाद करें। और फिर मैं या कक्षा में विभिन्न अन्य लोगों से कुछ टिप्पणियाँ हो सकती हैं कि क्या इस या उस चीज़ का थोड़ा अलग तरीके से अनुवाद किया जाना चाहिए और शायद यहाँ और वहाँ व्याकरण पर कुछ टिप्पणी, और इस तरह की चीज़ें।

खैर, मैं यहाँ यह सब नहीं करने जा रहा हूँ, लेकिन बुद्धिमान लोगों की यात्रा का यह अनुवाद मेरा अपना है, और मैं यहाँ कभी-कभी इस या उस तरह की बात पर टिप्पणी करूँगा। तो, हम यहाँ जो पाठ इस्तेमाल कर रहे हैं वह यूनाइटेड बाइबल सोसाइटीज द्वारा ग्रीक न्यू टेस्टामेंट है, जिसके पीछे मेरा एक शब्दकोश है, और मुझे लगता है कि यह संभवतः चौथा संस्करण है। पिछले कुछ सालों में वे यहाँ-वहाँ बदल गए हैं।

और इसमें छोटे-छोटे शीर्षक हैं जो यथासंभव तटस्थ रहने के लिए बनाए गए हैं, इसलिए उनमें बैप्टिस्ट या कैथोलिक या उस तरह का कुछ भी नहीं है। वे मूल रूप से बताते हैं कि क्या होने वाला है। तो, यहाँ पहला खंड शीर्षक से शुरू होता है, बुद्धिमान पुरुषों की यात्रा, और मेरा अनुवाद इस तरह दिखता है।

अब, जब यीशु का जन्म यहूदिया के बेथलेहम में हुआ, हेरोदेस राजा के दिनों में, तो देखो, पूर्व से ज्योतिषी यरूशलेम आए। इस प्रश्न से कई बातें उठ सकती हैं। एक बात यह होगी कि ज्योतिषी कौन हैं? और हम वापस आकर इस बारे में थोड़ा सा बताने जा रहे हैं।

मेरे पास जो शब्दकोश है उसमें बाउर, अर्न्ट और गिंगरिच हैं, मुझे लगता है कि यह बाउर, अर्न्ट और गिंगरिच है, डोंगर के पास मैगोस है। पहली परिभाषा यह है कि मैगोस है, लेकिन फिर कोष्ठक, एक बेबीलोनियन या फ़ारसी बुद्धिमान व्यक्ति, और पुजारी, ज्योतिष, स्वप्न व्याख्या आदि में एक विशेषज्ञ। तो यह एक तरह का त्वरित शब्द है जो आपने वहाँ दिया है। आपको शायद ऐसा असामान्य शब्द पसंद आएगा और आप उस पर थोड़ा और शोध करना चाहेंगे।

मुझे लगता है कि यही वह शब्द है जिसका अनुवाद किंग जेम्स, बुद्धिमान पुरुषों के रूप में किया गया है, जो वास्तव में एक अच्छा अनुवाद है, लेकिन कोई भी एकल अनुवाद आपको वह सब कुछ नहीं बताता जो आप जानना चाहते हैं। मेरे पास यहाँ ग्रीक से कुछ शब्द हैं जिन्हें मैं देखना चाहता था, आदि, लेकिन विशेष रूप से इसकी आवश्यकता नहीं थी, और इसलिए मुझे नहीं पता कि हमें वास्तव में उनके बारे में जानने की आवश्यकता होगी। मैगी पूर्व से हैं और उन्होंने एनाटोले शब्द को देखा।

यह शब्द हमें ग्रीस में अनातोलिया से मिला है, जो अनातोलिया का पूर्वी क्षेत्र है। लेकिन यह वास्तव में उगते हुए शब्द से आया है, इसलिए यह वह दिशा है जिस पर सूरज उगता है। तो, सामान्य तौर पर, आप जिस पूर्व की ओर देख रहे हैं।

इसलिए, यह हमें इस बारे में कुछ भी नहीं बताता कि वे कहाँ से आए थे। खैर, मैं मैगी का उल्लेख कर सकता हूँ, जो कि इस चीज़ का लैटिन बहुवचन है। यह मैगस और अस है और फिर मैगी, लैटिन में गी।

ग्रीक में, बेशक, मैगस और मागोई है, लेकिन हमें जादूगर शब्द इससे मिलता है, और इसका इस्तेमाल नए नियम में एकवचन में किया गया है। कुछ साइमन मैगस ऐसे ही लोगों में से एक हैं। खैर, श्लोक 2। तो, वे पूर्व से यरूशलेम में यह कहते हुए आए, कि यहूदियों का राजा जो पैदा हुआ है, वह कहाँ है? क्योंकि हमने पूर्व में उसका तारा देखा है, और उसे प्रणाम करने या उसकी पूजा करने आए हैं।

इस गद्यांश में हमें कुछ रोचक बातें मिली हैं। पूर्व में, इसका मतलब हो सकता है कि उठना, समय की मशीनें न होना और वहाँ न होना। यह थोड़ा अनिश्चित है।

जब हम पूर्व में थे, तो हमने इसे देखा, लेकिन हमने इस बारे में कुछ नहीं कहा कि यह किस दिशा में जा रहा था। या हमने इसे उगते हुए देखा, जो इसे कुछ हद तक पूर्व में रखता है क्योंकि तारे, जिस तरह से पृथ्वी घूमती है, तारे पूर्व में उगते हुए दिखाई देते हैं, सिर के ऊपर जाते हैं, और पश्चिम में डूब जाते हैं, और यहाँ तक कि ध्रुव में दिखाई देने वाले तारे भी पूर्व दिशा में शुरू होते हैं और घूमकर पश्चिम की ओर जाते हैं और फिर नीचे जाते हैं और फिर से ऊपर आते हैं, आदि। इसलिए, हमें यकीन नहीं है कि यह हमें ठीक से बता रहा है कि तारा कहाँ था या क्या यह हमें केवल यह बता रहा है कि जब उन्होंने इसे देखा तो वे कहाँ थे।

और वे उसके आगे झुकते हैं या उसकी पूजा करते हैं, जो यहाँ अस्पष्ट है और उन्हें अपनी पृष्ठभूमि के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है। हमें नहीं पता कि उन्हें लगा कि उन्हें उसकी पूजा करने की ज़रूरत है या उन्हें सिर्फ झुकने की ज़रूरत है, हालाँकि मुझे लगता है कि आपको थोड़ा सा संकेत मिलता है, इस तथ्य से कि ये लोग कुछ दूरी से आ रहे हैं।

और कोई व्यक्ति इतनी दूर से क्यों किसी ऐसे व्यक्ति के सामने झुकने आएगा जो यहूदियों का राजा है, वे यहूदी नहीं हैं? तो शायद यहाँ एक संकेत है कि वहाँ कुछ और चल रहा है। खैर, श्लोक 3, अब जब राजा हेरोदेस ने यह सुना, तो वह और उसके साथ सारा यरूशलेम घबरा गया।

इसमें बहुत सारी पृष्ठभूमि है, जिसे हमें थोड़ा खोलना होगा। लेकिन यह हमें बताता है कि यह राजा हेरोदेस है और संभवतः यह सुझाव देता है कि लेखक द्वारा लिखे जाने तक कुछ अन्य हेरोदेस भी हो सकते हैं। मैथ्यू कब लिखा गया था, इस पर मतभेद हैं, और हम पाठ्यक्रम के अपने अगले भाग में उनसे निपटेंगे।

लेकिन इस समय, केवल एक ही राजा था। जब तक आप जोसेफस के पास पहुँचते हैं, जोसेफस के करियर के आखिरी दौर में, आपको दूसरा और तीसरा राजा हेरोदेस मिलता है। श्लोक 4, और वह, यानी हेरोदेस, लोगों के सभी मुख्य पुजारियों और शास्त्रियों को इकट्ठा करके उनसे पूछा कि मसीह का जन्म कहाँ होना था।

और मसीह हिब्रू मसीह का ग्रीक अनुवाद है, जिसे हम अभी भी दो शब्दों, मसीहा और मसीह, का अलग-अलग उपयोग करते हैं, लेकिन उनका मतलब एक ही है, और वे किसी तरह के शीर्षक हैं। आप इसे पहले से ही इस अंश में देख सकते हैं। और उन्होंने, मुख्य याजकों और शास्त्रियों ने



उससे कहा, हेरोदेस, यहूदिया के बेथलेहम में, क्योंकि यह पैगंबर के माध्यम से लिखा गया है, और मैं 6 पर जाऊंगा, और तुम, यहूदा की भूमि बेथलेहम, किसी भी तरह से कम नहीं हो, किसी भी तरह से यहूदा के शासकों में सबसे कम नहीं हो, क्योंकि तुम में से एक शासक निकलेगा जो मेरे लोगों इस्राएल का चरवाहा होगा।

तो, यह उद्धरण है। यह कुछ हद तक एक स्वतंत्र उद्धरण है। उदाहरण के लिए, किसी भी तरह से नहीं, बल्कि दिलचस्प है क्योंकि हिब्रू में कहा गया है, यद्यपि आप सबसे कम हैं, या ऐसा ही कुछ।

और इसलिए, मुझे लगता है कि हम वही प्राप्त कर रहे हैं जिसे रब्बीनिक विद्वान मिट्टेश कहते हैं, जो कि अंश का एक व्याख्यात्मक वाचन है। मेरा मतलब है, हालाँकि मीका कहते हैं कि बेथलेहम सबसे कम है, अगर आप चाहें, तो पाठक व्याख्याकार कह रहा है, ठीक है, अगर मसीहा वहाँ से आने वाला है, तो यह अब सबसे कम नहीं है। तो, हमारे पास कुछ ऐसा ही चल रहा है।

तो यह उद्धरण है। यह मीका 5 से भी लिया गया है, और कुछ टिप्पणीकारों का सुझाव है कि इसका किसी अन्य अंश से भी कुछ प्रभाव पड़ा है। मुझे यकीन नहीं है कि मुझे लगता है कि यह जरूरी है कि उसी दिशा में जाए, लेकिन इसे यहीं छोड़ता हूँ।

पद 7: तब हेरोदेस ने गुप्त रूप से ज्योतिषियों को बुलाया और उनसे तारे के दिखने का सही समय पता किया। सटीक पाठ में एक अलग शब्द नहीं है, बल्कि वहाँ क्रिया है, अक्रिबो, जिसका अर्थ है पता लगाना, और यह अक्रिबोस से आता है, जिसका अर्थ है कुछ ऐसा जो बहुत विशिष्ट हो। वास्तव में, पता लगाना भी इसका अर्थ है।

निश्चित और सुनिश्चित। तो इससे यह आभास होता है कि वह जानना चाहता था कि क्या आप मुझे वह तारीख बता सकते हैं जब यह तारा पहली बार दिखाई दिया था या ऐसा कुछ। खैर, वह उन्हें गुप्त रूप से बुलाता है, जिसका अर्थ है कि वह उन्हें तब नहीं बुलाता जब सभी मुख्य पुजारी और शास्त्री चारों ओर खड़े होते हैं।

दरअसल, राजाओं के बीच यह एक मानक प्रक्रिया है। अगर आप पीछे जाएं और डेविड की मृत्यु से ठीक पहले की घटनाओं को देखें, जब ऐसा लग रहा था कि अदोनियाह राज्य लेकर भागने वाला है, तो बाथशेबा आती है और डेविड को संदेश देती है कि क्या हो रहा है, और फिर जाहिर तौर पर, वह चली जाती है, और नाथन आता है, और वह संदेश देता है। और फिर डेविड बाथशेबा को वापस बुलाता है, आदि।

यह काफी हद तक विशेषता है, और जब आप अबशालोम के विद्रोह की घटना को देखते हैं, तो अबशालोम और उसके सलाहकार अहीतोपेल को बुलाते हैं, और पूछते हैं, आपको क्या लगता है कि हमें क्या करना चाहिए? और जाहिर है, वह जाता है, और हुशै को बुलाया जाता है। वे उससे पूछते हैं कि वह क्या सोचता है, और वे उसे बताते हैं कि दूसरे व्यक्ति ने क्या सुझाव दिया है। क्या यह ठीक है? आप क्या सुझाव देंगे? तो आपको सभी जानकारी और शायद अपने सलाहकारों को

प्राप्त करने की काफी मानक शाही प्रक्रिया मिलती है। खैर, यहाँ, गुप्त रूप से, शायद सलाहकार भी वहाँ नहीं हैं।

हेरोदेस और ज्योतिषी। और यह सब क्या है? खैर, हम इसे श्लोक 8 में पाते हैं। हेरोदेस ज्योतिषियों को बेथलेहम भेज रहा है। उसने कहा, जाओ और बच्चे के बारे में अच्छी तरह से पूछताछ करो।

जैसे ही तुम उसे पाओ, मुझे बताओ ताकि मैं भी आकर उसकी पूजा कर सकूँ। तो, हेरोदेस को जानने वाला और यहाँ पर अगली कड़ी को देखने वाला, यह स्पष्ट रूप से एक झूठा बयान है, लेकिन वह अगर कर सकता है तो बच्चे को मार डालेगा। हेरोदेस के बारे में यह कुछ पृष्ठभूमि है, लेकिन सामान्य रूप से राजाओं को जानने के बावजूद, उनमें से अधिकांश ऐसे उत्तराधिकारी के जन्म के बारे में उत्साहित नहीं हैं जो उनका अपना बच्चा नहीं है।

खैर, यह श्लोक 8 है। श्लोक 9। तो, वे, और एक निश्चित लेख का एक अच्छा उदाहरण है जिसे व्यक्तिगत सर्वनाम के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए, जब उन्होंने सुना कि राजा चला गया, और देखो, वह तारा जिसे उन्होंने पूर्व में देखा था, या उसके उदय में देखा था, अभी भी उस अस्पष्टता को प्राप्त कर रहा था, उन्हें बाहर लाया, या उनके आगे चला गया, जब तक कि वह उस स्थान पर आकर रुक नहीं गया जहाँ बच्चा था। यह समझने के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग है कि बेथलेहम के तारे के संबंध में यहाँ क्या हो रहा हो सकता है।

हम वापस आकर इस बारे में सोचेंगे। लेकिन यहाँ इसका स्वाभाविक अर्थ यह है कि यरूशलेम से बेथलेहम तक, वे वास्तव में तारे द्वारा निर्देशित होते हैं, और चूँकि उन्हें बेथलेहम तक पहुँचने के लिए तारे की आवश्यकता नहीं है, इसलिए संभवतः यह उन्हें बेथलेहम में उस स्थान, घर या जो कुछ भी है, तक ले जाता है - श्लोक 10।

अब, जब उन्होंने तारा देखा, तो वे बहुत खुश हुए। यह जानना मुश्किल है कि इससे ज़्यादा इसका अनुवाद कैसे किया जाए। लेकिन वे बहुत ज़्यादा खुश हुए।

ऐसा कुछ सचमुच एक बहुत मजबूत निर्माण है। यह मुझे न केवल बहुत खुशी की बात लगती है बल्कि शायद यह कहना उचित है कि वे शायद आश्चर्यचकित भी हैं। मैं निश्चित रूप से उत्साहित हूँ।

पद 11. जब वे घर में आए, तो उस बालक को मरियम की माता के साथ देखा, और मुंह के बल गिरकर उसे दण्डवत् किया, और अपनी अपनी पेटियां खोलकर उसे भेंट चढ़ाई।

सोना, लोबान और गंधरस। मैं जिस शब्द का अनुवाद करता हूँ, वह खजाने का बक्सा है, जो बहुत ही सामान्य है। खजाने का बक्सा, एक स्टोररूम, जो संग्रहित किया जाता है, खजाना, आदि।

इसलिए, उन्होंने अपना खजाना खोल दिया। जो भी सामान वे अपने साथ ले गए थे, उन्होंने उसे खोल दिया। जाहिर है कि उन्होंने कोई स्टोररूम नहीं खोला क्योंकि वे स्टोररूम लेकर नहीं चलते।

लेकिन कुछ और भी है। और फिर यह देखना मददगार होगा कि लोबान और लोहबान क्या हैं क्योंकि वे अब वास्तव में मानक शब्द नहीं हैं। हम यहाँ लोबान का अनुवाद वास्तव में लिबानोज़ करते हैं, और बाउर और गिंगरिच हमें बताते हैं कि यह एक सफ़ेद रालयुक्त गोंद है।

यह वास्तव में एक सुगंधित-सुगंधित चीज़ है। इसलिए, यह कुछ मूल्यवान है। नाम, जैसा कि हम इसे अंग्रेजी में कहते हैं, फ्रेंच धूप, शायद यह दर्शाता है कि क्रूसेडर्स, फ्रैंक्स, इसे क्रूसेड या उस तरह के कुछ से वापस लाए थे।

यहां तक कि सफ़ेद रालयुक्त गोंद भी थोड़ा पतला होता है क्योंकि यह किसी तरह की धूप है। यह बहुत ही मीठी महक वाली धूप है, लेकिन यह छोटे-छोटे कोयले के टुकड़े या कुछ ऐसा नहीं है जिसे हम आमतौर पर आजकल धूप में देखते हैं। लोहबान भी एक रालयुक्त गोंद है, इसलिए ये दोनों किसी न किसी तरह के पौधे से आते हैं, किसी न किसी तरह के पौधे का रस।

और बाउर और गिंगरिच ने इसमें कुछ और भी जोड़ा है, कभी-कभी शव-संरक्षण में भी इसका इस्तेमाल किया जाता है। शायद वहाँ भी एक संकेत है। खैर, श्लोक 12।

चूँकि उन्हें एक सपने में चेतावनी दी गई थी कि वे हेरोदेस के पास वापस न जाएँ, इसलिए वे दूसरे रास्ते से अपने देश चले गए। इसलिए यहाँ हमें बस एक संक्षिप्त बयान मिलता है, न कि हमें इस सपने या किसी और चीज़ का वर्णन मिलता है। लेकिन जाहिर है, तब परमेश्वर ने हस्तक्षेप करके उन्हें बताया कि वे हेरोदेस के पास वापस न जाएँ।

तो, नतीजा यह होगा कि हेरोदेस को यह नहीं पता होगा कि किस घर में जाना है। और बुद्धिमान पुरुषों को यह पता लगाने के लिए यातना नहीं दी जाएगी। यूसुफ, मरियम और यीशु के पास भागने के लिए थोड़ा और समय होगा।

यूबीएस ग्रीक न्यू टेस्टामेंट यहाँ इस बिंदु पर एक और शीर्षक देता है, मिस्र की ओर पलायन, अगले तीन छंदों के लिए। छंद 13. अब, जब वे चले गए, तो देखो, प्रभु का एक दूत या प्रभु की ओर से एक दूत यूसुफ को एक सपने में दिखाई दिया, और कहा, उठो, बच्चे और उसकी माँ को ले लो, और मिस्र भाग जाओ, और वहाँ रहो, या वहाँ रहो, जब तक मैं तुम्हें न कहूँ।

क्योंकि हेरोदेस बालक को मार डालने के लिये ढूँढ़ने पर था। इसलिए वह उठा और बालक और उसकी माता को रात ही रात लेकर मिस्र को चला गया।

आप में से जो लोग यूनानी भाषा में जानते हैं, उनके लिए रात का मतलब समय से है। ठीक है, तो रात के दौरान नोकटोस । श्लोक 15।

और वह हेरोदेस की मृत्यु तक वहाँ रहा ताकि प्रभु द्वारा भविष्यद्वक्ता के माध्यम से कही गई बातें मिस्र से पूरी हो सकें। मैंने अपने बेटे को बुलाया है। हम यहाँ देख रहे हैं कि वे हेरोदेस की मृत्यु तक रहें।

यहाँ, हमें ग्रीक में इस्तेमाल की जाने वाली व्यंजना का एक उदाहरण मिलता है। यह शब्द वास्तव में हेरोदेस का टेलुटे, अंत है। हम कह सकते हैं कि अंग्रेजी व्यंजना में हेरोदेस के अंत तक।

आपको याद होगा कि व्यंजना किसी बात को कहने का एक तरीका है जो वास्तविक बात से ज़्यादा सुखद लगती है। ठीक है। हमारे पास होशे 11:1 से एक उद्धरण है। शायद मुझे अब इसके बारे में कुछ कहना चाहिए क्योंकि मुझे नहीं लगता कि मैं अपने नोट्स में आगे ऐसा करूँगा।

यदि आप होशे में उस अंश को देखें, तो यह ईश्वर द्वारा इस्राएल को मिस्र से बाहर लाने के बारे में है, और आप कहते हैं, इसका यीशु से क्या लेना-देना है? खैर, वहाँ कुछ बातें चल रही हैं। एक, मैथ्यू यीशु और इस्राएल के बीच कुछ समानताएँ खींच रहा था, और शायद पुराने नियम के विचार को उठा रहा था कि प्रभु का सेवक, और यशायाह 40-34 का पूरा सेवक खंड, या जो भी हो, प्रभु की सेवा करने के बारे में है, और कभी-कभी यह स्पष्ट रूप से इस्राएल है, और कभी-कभी यह स्पष्ट रूप से इस्राएल नहीं है। और इसलिए, मसीहा वह है जो वह करने जा रहा है जो सिद्धांत रूप में, इस्राएल को किसी अर्थ में करना चाहिए था, राष्ट्रों के लिए प्रकाश बनना और उस तरह की चीजें।

और इसलिए यह चल रहा है। लेकिन यह सिर्फ मैथ्यू का विचार नहीं है। जाहिर है, आप कह सकते हैं कि यह यशायाह का विचार है या ऐसा ही कुछ, लेकिन यह यीशु का विचार भी है क्योंकि प्रलोभन की कहानियों में, यीशु तीन बार उद्धृत कर रहे हैं, जंगल में इस्राएल की कहानियों के साथ शैतान को जवाब दे रहे हैं, जंगल में इस्राएल की आयतें।

इसलिए, यीशु ने जंगल में अपने प्रलोभन और जंगल में इस्राएल के प्रलोभन के बीच समानता देखी। इस्राएल जंगल में प्रलोभन में पड़ता है और असफल हो जाता है। यीशु जंगल में प्रलोभन में पड़ता है और सफल होता है।

आदम और हव्वा को जंगल में नहीं, बल्कि बगीचे में परीक्षा दी जाती है और वे असफल हो जाते हैं। यीशु को बगीचे में नहीं, बल्कि जंगल में परीक्षा दी जाती है, लेकिन वह सफल हो जाता है। यदि आप चाहें तो वहाँ विभिन्न विषयों की कुछ दिलचस्प बातचीत है, जो पुराने नियम से नए नियम में लाई गई है।

फिर हम तीन आयतों के दूसरे भाग पर आते हैं, जिसे यूबीएस ने शिशुओं की हत्या के रूप में लेबल किया है। आयत 16 में, फिर हेरोदेस ने देखा कि उसे मागी ने धोखा दिया था, और मागी उसे धोखा नहीं दे रहे थे, लेकिन यह मामले के बारे में उसका दृष्टिकोण था और जाहिर है कि वह उन जगहों पर साजिशें देखता है, जहां वे नहीं हैं, लेकिन यह हेरोदेस का एक बहुत अच्छा चरित्र चित्रण है, बहुत क्रोधित हुआ, और उसने सेना भेजी और बेथलेहम और उसके पूरे जिले में दो साल और उससे कम उम्र के सभी बच्चों को मार डाला, जो उसने मागी से निर्धारित समय के

अनुसार किया था। वहाँ कुछ दिलचस्प बातें बहुत क्रोधित हुईं, जिसे हम आरंभिक उत्तराधिकारी कहते हैं, एक कार्रवाई की शुरुआत के लिए उत्तराधिकारी का अच्छा उदाहरण।

इसलिए यह कहने के बजाय कि हेरोदेस ने जब यह देखा तो वह क्रोधित हो गया, अगर आप चाहें तो वह क्रोधित हो गया। हम बेथलहम और उसके जिले के बारे में सुनते हैं, जो हमें कुछ ऐसी बात की याद दिलाता है जिसके बारे में मुझे पहले पता नहीं था, और वह तरीका है जिससे इसराइल में क्षेत्रों को विभाजित किया गया था, और शायद एक बहुत ही सामान्य प्राचीन विभाजन यह था कि गाँव और शहर आदि के पास अपने आस-पास का क्षेत्र था, जिसे वे एक या दूसरे तरीके से प्रशासित करते थे।

इस बारे में कुछ चर्चा इजरायल के पुरातत्वविदों द्वारा इजरायल के पुरातत्व पर लिखी गई एक किताब में है, लेकिन मुझे अभी विवरण याद नहीं है, और यह उस लाइब्रेरी का हिस्सा है जिसे मैंने रिटायर होने के बाद दे दिया था। वैसे भी, मैगी से जो समय उसने निर्धारित किया था, उसके अनुसार, क्या इसका मतलब यह है कि मैगी ने उसे बताया था कि तारा दो साल पहले दिखाई दिया था? शायद नहीं। जब हम हेरोदेस के चरित्र पर थोड़ा गौर करेंगे, तो हम देखेंगे कि वह उन लोगों में से एक है जो जोखिम नहीं उठाता।

इसलिए, अगर कोई बेटा थोड़ा खतरनाक दिखता है, तो उससे छुटकारा पा लें। तो, इसका मतलब शायद यह है कि यह एक साल का कुछ महत्वपूर्ण हिस्सा या ऐसा ही कुछ, शायद एक पूरा साल रहा होगा, बस यह सुनिश्चित करने के लिए कि वह उन बच्चों से छुटकारा पा ले जो उस उम्र के आसपास कहीं भी थे। खैर, श्लोक 17 पूरा हुआ, जो यिर्मयाह भविष्यवक्ता के माध्यम से कहा गया था, श्लोक 18, रामा में एक आवाज़ सुनाई देती है जो बड़े शोक में रो रही है।

राहेल अपने बच्चों के लिए रो रही है, और उसे सांत्वना नहीं मिलेगी, क्योंकि वे अब वहाँ नहीं हैं। तो यहाँ हमारे पास मैथ्यू का एक और पूर्ति उद्धरण है, और मुझे नहीं लगता कि वह यहाँ यह कह रहा है कि यिर्मयाह 31 में वर्णित घटना स्पष्ट रूप से इसके बारे में है, लेकिन यहाँ हमारे पास किसी तरह की समानांतर स्थिति चल रही है। मैथ्यू कई अलग-अलग तरीकों से पूर्ण का उपयोग करता है, जिनमें से कुछ भविष्यवाणी की शाब्दिक पूर्ति के लिए होंगे, और अन्य शायद किसी तरह के विषय को आगे बढ़ाने और यह दिखाने के लिए कि यीशु की सेवकाई में भी इसे कैसे पूरा किया जा रहा है।

फिर, 19 से 23 तक के श्लोकों में अंतिम भाग मिस्र से वापसी का है। हेरोदेस के मरने के बाद, देखो, प्रभु का एक स्वर्गदूत मिस्र में यूसुफ को स्वप्न में दिखाई दिया, और कहा, उठो, बालक और उसकी माता को लेकर इस्राएल के देश में जाओ, क्योंकि बालक के प्राण लेने वाले मर चुके हैं। जीवन चाहने वाले थोड़े ही इच्छुक हैं।

बहुवचन, ऐसा लगता है कि यह सिर्फ हेरोदेस है, लेकिन संभवतः, हेरोदेस और उसके गुर्गो, जो कोई भी उत्तराधिकारी नहीं देखना चाहेगा जो उनके पदों को खतरे में डाल दे, शायद वहाँ विचार है, लेकिन बस थोड़ी सी अंतर्दृष्टि है जिसे आगे विकसित नहीं किया गया है। तो, हमें स्वर्गदूत का यह दर्शन मिलता है, फिर, एक सपने में, जाहिर तौर पर बुद्धिमान पुरुषों को, मुझे नहीं लगता कि

हमें ठीक से बताया गया है कि यह कैसे काम करता है, और फिर यहाँ यूसुफ को दो बार, और उसे वापस इज़राइल की भूमि पर जाने के लिए कहता है। इसलिए, वह उठा और बच्चे और उसकी माँ को लेकर इज़राइल की भूमि में प्रवेश किया।

तो, संदेश, जाहिर है, बस उस क्षेत्र में वापस जाने का है। श्लोक 22, अब, जब उसने सुना कि अरखिलाउस ने यहूदिया पर शासन किया और अपने पिता हेरोदेस को नियुक्त किया, तो वह वहाँ जाने से डर गया। तो, आपको यह आभास होता है कि यूसुफ अरखिलाउस के बारे में कुछ जानता था, और यह अच्छा नहीं था।

और यह जानकारी जोसेफस से भी मिलती है। खैर, वास्तव में, ऑगस्टस ने उसके खिलाफ शिकायतों के कारण अर्खेलॉस को राजत्व नहीं दिया। उसे एक परीक्षण अवधि के साथ एक नृवंशविज्ञानी होने की अनुमति दी गई थी, और वह बाद में परीक्षण अवधि में विफल हो गया, लेकिन यह लगभग दस साल तक चला, शायद। जोसेफ को स्पष्ट रूप से पता चलता है कि अर्खेलॉस में उसके पिता हेरोदेस के कुछ बुरे गुण हैं, और इसलिए वहाँ जाना सुरक्षित नहीं है।

और एक सपने में चेतावनी मिलने पर, वह गलील के जिले में चला जाता है। इसलिए, उसे एहसास होता है कि गलील अपेक्षाकृत सुरक्षित है, और वास्तव में, हेरोदेस एंटिपस, बेटों में से एक, जो जाहिर तौर पर एक सौम्य चरित्र का है, हालांकि वह अंततः जॉन बैपटिस्ट को मार देगा, आपको याद होगा, भले ही आप उस घटना को देखें, कि यह वास्तव में उसकी पहल नहीं थी। इसलिए, कमजोर होने के साथ-साथ, जाहिर है, जोसेफ को लगा कि यह एक सुरक्षित कदम था, और वह वहीं चला गया।

पद 23 : और वह नासरत नामक नगर में आकर बस गया, ताकि भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा कही गई बात पूरी हो कि वह नासरी कहलाए। तो, यह एक दिलचस्प टिप्पणी है; यह हमें एक सटीक उद्धरण नहीं देता है, और मेरा अनुमान है कि यह शाखा के अंशों का एक संकेत है। शाखा के लिए हिब्रू शब्दों में से एक नेज़ेर है।

तो, वह एक शहर, एक नेटज़र शहर में जाता है, और फिर उसे नेटज़ेरी कहा जा सकता है। तो, लेकिन यह दिलचस्प है कि यशायाह में दो बार, यशायाह 11, 1 और 53, 2, और जकर्याह 6, 12 में, मसीहा को शाखा कहा जाता है। यह हमेशा उन तीनों अंशों में नेटज़र नहीं है, लेकिन कम से कम उनमें से एक में, यह है।

तो, यह एक त्वरित दौरा था। हम वापस आकर इसमें कुछ विशिष्ट वस्तुओं के बारे में कुछ प्रश्नों को देखने का प्रयास करेंगे। लेकिन आइए पहले अंश की कुछ कथात्मक विशेषताओं पर एक नज़र डालें।

तो, कथा, ठीक है, इसका मतलब है कि इसमें पात्र, घटनाएँ, दृश्य और कथानक हैं। पात्र बहुत सीधे-सादे हैं। जोसेफ, मैरी, जीसस, लेकिन जिस तरह से इसे वर्णित किया गया है, उसमें एकमात्र व्यक्ति जो स्वतंत्र रूप से कार्य करता है, वह जोसेफ है।

ठीक है? मैरी और जीसस बस उसी तरह साथ चलते हैं। फिर मैगी हैं, लेकिन मैगी सभी फिर से एक समूह के रूप में कार्य करते हैं। यह कथावाचक का चुनाव है, याद रखें, ठीक है? इसलिए, हमें यह पता नहीं चलता कि उनका नाम बाल्थाजार और मेलचोर आदि है या नहीं, जैसा कि परंपराएं कहती हैं, लेकिन हमारे पास बस है, और हम यह नहीं पता लगाते कि वे कितने हैं, इस मामले में।

हेरोदेस राजा निश्चित रूप से अभिनय करता है, ठीक है? और फिर यहूदी धार्मिक नेता हैं, और फिर से, कथावाचक के लिए, वे सिर्फ एक समूह के रूप में कार्य करते हैं। और फिर प्रभु का दूत है, इसलिए मूल रूप से यही वह है जो हमें यहाँ पात्रों के रूप में मिला है। घटनाएँ, ठीक है, मैं पूरी कहानी को फिर से बताए बिना घटनाओं की एक पूरी श्रृंखला दे सकता हूँ।

सबसे पहले, ज्योतिषी यरूशलेम पहुँचते हैं और एक नवजात राजा के बारे में पूछते हैं जिसका तारा उन्होंने देखा है। दूसरी घटना में, हेरोदेस परेशान है, और उसके आस-पास के लोग भी। तीसरी घटना में, हेरोदेस को धार्मिक नेताओं से जानकारी मिलती है।

चौथा, हेरोदेस ने मागी से निजी मुलाकात की, जिसमें उसने दिखावा किया कि वह बच्चे की पूजा करना चाहता है। इसके बाद, मागी ने तारा देखा, खुश हुए और उन्हें बच्चे के पास ले जाया गया। फिर, मागी ने बच्चे की पूजा की, उपहार दिए और फिर, एक सपने में चेतावनी दी, मागी हेरोदेस के बजाय अपने देश लौट गए।

इसलिए, संभवतः, शायद सीधे जॉर्डन के पार जा रहे हों या किसी अन्य दिशा में जा रहे हों ताकि वे हेरोदेस के बहुत करीब न पहुँचें। एक सपने में भी चेतावनी दी गई, यूसुफ मरियम और यीशु के साथ मिस्र भाग जाता है। हेरोदेस को जल्द ही पता चल जाता है कि मागी वापस नहीं आ रहे हैं।

जाहिर है कि उसने अपने पीछे जासूस या कुछ भी नहीं भेजा, ऐसा इसलिए क्योंकि जाहिर तौर पर उसे लगा कि वह उन्हें धोखा देने में सफल रहा है। वह क्रोधित हो जाता है और बच्चों को मारने के लिए सैनिकों को भेजता है। हेरोदेस की मृत्यु के बाद, यूसुफ को मैरी और यीशु के साथ इज़राइल लौटने का निर्देश दिया जाता है, और गलील में बस जाता है।

दृश्य, ठीक है, हम कह सकते हैं, आप जानते हैं, वहाँ पूर्व है, लेकिन वास्तव में, वहाँ कुछ भी नहीं है, वहाँ कुछ भी नहीं चल रहा है, इसलिए यरूशलेम पहला दृश्य है, बेथलेहम, दूसरा दृश्य, मिस्र, तीसरा दृश्य, और फिर, वास्तव में, मिस्र में क्या चल रहा है, इसके बारे में बहुत कुछ नहीं कहा गया है, और फिर गलील का अंत में फिर से उल्लेख किया गया है, लेकिन वास्तव में वर्णन नहीं किया गया है। इसलिए मैं वास्तव में कहूँगा कि यरूशलेम और बेथलेहम मुख्य दृश्य हैं, मिस्र का थोड़ा सा उल्लेख किया गया है, और फिर गलील का सभी कथानकों में उल्लेख किया गया है। यह बताना अक्सर थोड़ा मुश्किल होता है कि सभी कथानक क्या हैं।

मुझे यही समझ में आया। यीशु को मारने की धमकी टल गई। गैर-यहूदी लोग यीशु को खोजते हैं, पाते हैं और उसकी पूजा करते हैं।

और सवाल यह है कि क्या लेखक जानबूझकर यहूदी नेताओं के साथ इसका विरोधाभास कर रहा है? मेरा मतलब है, जब उन्होंने यह सब सुना था, तो उन्होंने क्या सुना था? निश्चित रूप से, उन्होंने शहर में जादूगरों के बारे में कुछ सुना होगा। यह जानकारी हेरोदेस तक पहुँचने और उन्हें अंदर लाने के लिए फैलाई गई होगी। शायद उन्हें अभी तक इसके अलावा बहुत कुछ नहीं बताया गया है, लेकिन फिर भी, शायद वहाँ कुछ विरोधाभास है।

हेरोदेस अपने सिंहासन की रक्षा के लिए यीशु को मारने की कोशिश करता है। यह एक बहुत ही स्पष्ट साजिश है। और फिर, परमेश्वर अपने उद्देश्य को पूरा करने के लिए विरोधियों की घटनाओं और कार्यों का उपयोग करता है।

हेरोदेस के खिलाफ़ कार्रवाई के कारण मरियम, यूसुफ़ और यीशु मिस्र पहुँच जाते हैं। मौत उन्हें वापस ले आती है, वगैरह। तो, हम देखते हैं कि कुछ ऐसा ही होता है।

अगर हम लेलैंड राइकेन की श्रेणियों के बारे में सोचें तो हम यहाँ किस तरह की कथा देख रहे हैं? खैर, यह स्पष्ट रूप से एक जन्म कथा है, ठीक है? जादूगरों और यीशु के बीच मुठभेड़ की कहानी? हाँ, यीशु कुछ नहीं करते, ठीक है, लेकिन यह कुछ ऐसा ही प्रतीत होता है। यह निश्चित रूप से एक संघर्ष की कहानी है, लेकिन यह मुख्य रूप से हेरोदेस और भगवान के बीच संघर्ष है, ठीक है? आप निश्चित रूप से स्वर्गदूत से देख सकते हैं कि यह काम पर भगवान है, और यह जादूगरों या जोसेफ या उस तरह की किसी चीज़ की चतुराई नहीं है। स्पष्ट रूप से देखने के लिए कि क्या हो रहा है, मार्ग में कुछ वस्तुओं को स्पष्टीकरण की आवश्यकता है, और मैंने छात्रों के लिए एक छोटी सी अध्ययन शीट के रूप में इन्हें भरने की कोशिश की, जब वे अपना अनुवाद और इस तरह का काम कर रहे थे, फिर वे उन्हें वापस लाए, और हमने उन पर चर्चा की।

लेकिन यहाँ वे प्रश्न हैं जो मैंने अध्ययन पत्र पर पूछे थे। जादूगर कौन थे? कितने जादूगर यीशु से मिलने आए थे? ठीक है, तो चलिए थोड़ी चर्चा करते हैं। शब्द जादूगर लैटिन के मैगस या ग्रीक के मैगस का बहुवचन है।

ग्रीको-रोमन साहित्य में इसका इस्तेमाल जादूगरों के लिए आम तौर पर किया जाता है, ठीक है? नए नियम में कहीं और, इसका इस्तेमाल प्रेरितों के काम 13:6 और 8 में जादूगर एल यमुस के लिए किया गया है। क्या आपको साइप्रस का वह आदमी याद है जिसने सर्जियस पॉलस को पॉल और सीलास के खिलाफ़ खड़ा करने की कोशिश की थी? और एक समानार्थी क्रिया, मागुओ, का इस्तेमाल प्रेरितों के काम 8-9 में साइमन के लिए किया गया है। इसलिए हालाँकि उसे पारंपरिक रूप से साइमन मैगस कहा जाता है, लेकिन वास्तव में उसे प्रेरितों के काम में ऐसा नहीं कहा गया है, लेकिन वहाँ मागुओ उसके लिए पर्याप्त वारंट है, जाहिर है।

पहले के उपयोग, प्री-ग्रीको-रोमन, ठीक है, फारसी और बेबीलोन के बुद्धिमान पुरुषों या पुजारियों को संदर्भित करते थे, जो अक्सर सपनों या सितारों की व्याख्या करने की क्षमता रखते थे। हम अपने पाठ्यक्रम में थोड़ी देर बाद उल्लेख करने जा रहे हैं कि मैथ्यू का एक हिब्रू पाठ मध्ययुगीन पांडुलिपियों से खोजा गया है, और यह मानने का वारंट है कि यह संभवतः प्राचीन है



और हिब्रू में मैथ्यू के मूल सुसमाचार की कुछ हद तक खराब तरीके से प्रसारित प्रतिलिपि भी हो सकती है। जब हम वहाँ पहुंचेंगे तो मैं इसके बारे में थोड़ा बताऊंगा।

इसलिए, मैं यहाँ इसके बारे में और कुछ नहीं कहूँगा। मैं इसे यहाँ इसलिए ला रहा हूँ क्योंकि पहली बार जब यह आता है तो इसका अनुवाद मैगी होता है। अनुवाद हो या न हो, ठीक है, यह शब्द सितारों के द्रष्टा देता है।

यह वही शब्द है जो यह देता है। और फिर हम ज्योतिषी किसे कहेंगे। यीशु से मिलने आए ज्योतिषियों की संख्या बाइबल में नहीं दी गई है।

यह पूरी तरह से तीन हो सकता है, पारंपरिक संख्या, लेकिन कुछ लोगों ने सुझाव दिया है कि शायद यह सिर्फ तीन उपहारों पर आधारित है, ठीक है, सोना और लोबान। हम नहीं जानते। हम वहाँ नहीं हैं, ठीक है? इस हैंडआउट शीट पर दूसरा सवाल: तारा क्या था? क्या घटनाएँ सुझाई गई हैं? प्रत्येक सुझाव को देखने के लिए मार्ग के किस डेटा के खिलाफ परीक्षण किया जाना चाहिए कि क्या यह फिट बैठता है? खैर, हम यहाँ थोड़ा सा तारा पहचानने का प्रयास करने जा रहे हैं।

नोट्स में मेरा अगला खंड बेथलेहम तारा है। लेकिन सदियों से कई सुझाव दिए गए हैं, जिसमें एक धूमकेतु भी शामिल है, कम से कम एक धूमकेतु का सुझाव दिया गया है, एक सुपरनोवा, एक तारा जो ढह जाता है और अचानक अपनी पूरी आकाशगंगा जितना चमकीला हो जाता है, ग्रहों का संयोजन, जब आकाश में दो ग्रह एक दूसरे के बहुत करीब दिखाई देते हैं, एक देवदूत, आग के खंभे जैसा कुछ जिसने इस्राएलियों को जंगल में मार्गदर्शन किया, हालांकि शायद उस तरह से आकार नहीं दिया गया हो, या केवल मैथ्यू या उसके स्रोत का आविष्कार हो। यह एक काफी इंजील लेखक द्वारा भी सुझाया गया है।

खैर, मैथ्यू के अनुसार, ऐसा लगता है कि तारा पूर्व में मागी को दिखाई देता है, लेकिन फिर स्पष्ट रूप से गायब हो जाता है क्योंकि अन्यथा, वे पूछताछ करने के लिए यरूशलेम क्यों आते? यदि यह किसी तरह से उनका मार्गदर्शन कर रहा है, तो बस इसका अनुसरण करें, और संभवतः उन सभी को दूर ले जाएगा। इसलिए, यह अधिक संभावना है कि तारा उन्हें कुछ बताता है, और वह उन्हें यरूशलेम जाने के लिए कहता है। यह तब प्रकट होता है जब वे हेरोदेस को छोड़ देते हैं, और किसी तरह, यह उन्हें सही स्थान पर ले जाता है।

तो यह वह जानकारी है जो हमें मिली है। तीसरा सवाल। आपको क्यों लगता है कि हेरोदेस परेशान था? हम उसके बारे में अन्य प्राचीन स्रोतों से क्या जानते हैं जो इस तस्वीर से मेल खाते हैं? आप यह कैसे पता लगाते हैं? खैर, औसत व्यक्ति के पास ये सभी प्राचीन स्रोत नहीं होते हैं, इसलिए आमतौर पर, आप पता लगाने के लिए किसी टिप्पणी या बाइबल विश्वकोश या इस तरह की किसी चीज़ में देखते हैं।

वह संभवतः इस बात से परेशान था कि एक नवजात राजा उसके शासन और विशेष रूप से उसके वंशजों के लिए खतरा पैदा कर सकता है। वह इतना बूढ़ा है कि अभी-अभी जन्मा बच्चा

उसके जीवित रहते शासन नहीं कर सकता, इसलिए वह अपने वंशजों के बारे में अधिक चिंतित है। मुझे अदलिया की प्रतिक्रिया याद है जब उसे पता चला कि योआश अभी भी जीवित है, कि अदलिया रानी माँ थी जिसने अपने बेटे के इन सभी वंशजों को मार डाला था, और उनमें से एक को चुपके से ले जाया गया था, और ऐसा ही कुछ, और जब उसे इस बारे में पता चला, तो उसने देशद्रोह किया! हालाँकि उसने अपने सिंहासन के बर्तन को पाने के लिए इन सभी लोगों को मार डाला, केतली को काला या ऐसा कुछ कहा।

हम पाते हैं कि यह अनुमान है। हम प्राचीन काल 1611 और 1717 में जोसेफस से जानते हैं कि हेरोदेस ने अपने तीन बेटों को मार डाला था, और यह तब था जब उसे लगा कि वे उसके उत्तराधिकारी बनने की जल्दी में हैं। इसलिए, बेटों में से एक ने अन्य दो बेटों के बारे में अफ़वाहें फैलाई कि वे शासन करने की जल्दी में हैं और उन्हें मरवा दिया, और फिर कुछ साल बाद यह उसके लिए उल्टा पड़ गया, और वह मारा गया।

तो, हेरोदेस, जैसा कि हम जोसेफस से भी जानते हैं, डर गया था कि उसकी मृत्यु पर बहुत बड़ा जश्न मनाया जाएगा। इसलिए, वह जानता था कि वह लोकप्रिय नहीं था। और उसने कहा कि मुझे पता है कि मैं क्या करने जा रहा हूँ ताकि मेरी मृत्यु पर शोक मनाया जाए।

इसलिए, उसने यहूदी नेताओं को एक स्टेडियम में इकट्ठा किया और आदेश दिया कि जब वह मर जाए, तो सैनिक उन सभी को मौत के घाट उतार दें। खैर, हेरोदेस के ठीक नीचे के लोगों को जब वह मरा तो एहसास हुआ कि अगर इन सभी लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया तो उन्हें इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। हेरोदेस चला गया।

आप भगवान के सामने इसका सामना करेंगे, लेकिन उन्हें इसका सामना धरती पर ही करना होगा। और इसलिए, उन्होंने चुपचाप सैनिकों को विदा कर दिया, और हेरोदेस महान की मृत्यु पर बहुत जश्न मनाया गया। ठीक है, बेथलेहम का सितारा।

बेथलेहम का तारा क्या था? खैर, पिछले 20 सालों में एक बहुत ही रोचक बात हुई है, और वह यह है कि 20वीं सदी के अंत में इलेक्ट्रॉनिक कंप्यूटर के विकास के साथ, एक ऐसी खोज की गई जो यरूशलेम के तारे के लिए एक बहुत ही मजबूत उम्मीदवार प्रदान करती है। मेरे पास इस पर एक वर्णित पावरपॉइंट टॉक है जिसका नाम है बेथलेहम का तारा: यह क्या था? हमारी IBRI वेबसाइट पर। इसलिए, यदि आप [www.ibri.org](http://www.ibri.org) पर जाते हैं और आप ऐसा करते हैं, तो हमारे पास ऊपर एक छोटा सा Google इंजन है, और आप इस पर बेथलेहम का तारा खोजते हैं, यह आपके लिए इसे खोज देगा।

मैकएविटी द्वारा निर्मित द स्टार ऑफ बेथलेहम नामक एक वीडियो भी जारी किया गया है। मुझे नहीं पता कि वह कौन है, लेकिन वह विज्ञापन का हिस्सा था, इसलिए मुझे लगता है कि वह काफी प्रसिद्ध है। इसे रिक लार्सन द्वारा प्रस्तुत किया गया था, और आप इसके बारे में [www.bethlehemstar.net](http://www.bethlehemstar.net) नेट पर पता लगा सकते हैं। हाँ, यही है।

और यह काफी अच्छा है। यह वैसा नहीं है जैसा मैं करता हूँ, लेकिन यह वही घटना है जो वे वहाँ देखते हैं, और वे एक बहुत ही परिष्कृत कार्यक्रम, एक कंप्यूटर प्लेनेटेरियम कार्यक्रम का उपयोग करते हैं, जिसे मैं अंततः आपको इस विशेष चीज़ के आसपास की घटनाओं को देखने के लिए दे पाया। यह एक करीबी संयोजन है, इसलिए मैं इसे यहाँ वर्णित करता हूँ।

यह उम्मीदवार 3 और 2 ईसा पूर्व में होने वाले ग्रहों के संयोजनों की एक श्रृंखला है, जिसने मैगी को बताया होगा कि यहूदियों के लिए एक राजा का जन्म हुआ है। 17 जून, 2 ईसा पूर्व को सिंह राशि में बृहस्पति और शुक्र के बीच इन संयोजनों में से सबसे खास संयोजन इतना करीब था कि दोनों ग्रह नग्न आंखों को असामान्य चमक के एकल तारे के रूप में दिखाई देते। जब आप इसे इस प्लेनेटेरियम प्रोग्राम पर चलाते हैं, तो यह एक एकल तारा प्रतीत होता है, और फिर आप प्रोग्राम पर ज़ूम इन कर सकते हैं, और आप वहाँ जा सकते हैं, और आप वास्तव में दोनों को देख सकते हैं, और वे बिल्कुल वैसे ही हैं।

वे एक दूसरे के बहुत करीब हैं। अगर आप गणना करें तो यह बहुत दुर्लभ है। इतना नजदीकी संयोग एक तारे के रूप में दिखाई दिया होगा और मानव सभ्यता के पूरे इतिहास में ऐसा केवल एक बार हुआ होगा।

तो, यह एक बहुत ही दुर्लभ घटना है। यह इतना शानदार है कि मैगी को सैकड़ों मील की दूरी तय करके यह देखने के लिए आना पड़ा कि क्या हो रहा है। इसने एक बहुत ही प्रभावशाली रिकॉर्ड भी छोड़ा है, अगर आप चाहें तो, जिसे हम सौर मंडल के खगोल भौतिकी कह सकते हैं।

यानी, आप वास्तव में गणनाओं को पीछे की ओर चला सकते हैं। वे जटिल और लंबे हैं, आदि, इसलिए आपको कंप्यूटर की आवश्यकता है, और यही कारण है कि यह सब अंततः कंप्यूटर के साथ किया गया है। इसलिए, सौर मंडल के खगोल भौतिकी में एक प्रभावशाली रिकॉर्ड तब देखा जाएगा जब मनुष्य ने आवश्यक गणना करने के लिए पर्याप्त कंप्यूटिंग शक्ति विकसित कर ली होगी।

लेकिन मैथ्यू के रिकॉर्ड के बिना कोई भी कभी नहीं देखता। तो, 1960 के दशक में, एक व्यक्ति ने कंप्यूटर गणनाएँ निकालीं। यह प्राचीन इतिहासकारों, प्राचीन दुनिया के इतिहासकारों के लिए था, जो आपको 600 ईसा पूर्व से 600 ईस्वी तक सूर्य, चंद्रमा और प्रमुख ग्रहों की स्थिति बताता था। दो खंड।

फिर एक साथी जो एक शौकिया खगोलशास्त्री था और जो बाद में स्काई एंड टेलिस्कोप के लिए एक लेखक बन गया, इन सभी को खंगाला, यीशु के जन्म के समय के आस-पास के करीबी संयोजनों की तलाश में जब उसे यह चीज़ मिली। तब से, हमारे पास ये सभी कंप्यूटर हैं, और आप वास्तव में उन्हें अपनी स्क्रीन और हर चीज़ पर देख सकते हैं। वे उस तरह की चीज़ करने के लिए बस स्थिति की जानकारी की तालिकाओं को देख रहे थे। इसलिए, कोई भी इस रिकॉर्ड की तलाश नहीं करता अगर मैथ्यू ने हमें अपना विवरण नहीं छोड़ा होता।

मुझे लगता है कि यह मैथ्यू के सुसमाचार की ऐतिहासिक विश्वसनीयता का मजबूत सबूत है और यह दिलचस्प है कि यह ठीक उसी समय आया जब रॉबर्ट गुंड्री मना कर रहे थे। यह एक

काल्पनिक कहानी है जो चरवाहों की यात्रा आदि से तैयार की गई थी। ठीक है, ठीक है, यह बेथलेहम का सितारा है। यहाँ हमारी चर्चा को रोकने से पहले मेरे पास कुछ अन्य शीर्षक हैं।

इस घटना को बताने में मैथ्यू का उद्देश्य क्या था? आपको क्या लगता है मैथ्यू ने ऐसा क्यों किया? खैर, जाहिर है, यह एक जन्म कथा है। गैर-यहूदी जादूगरों की प्रतिक्रिया, भले ही वे मूर्तिपूजक हों, यीशु के जन्म के प्रति निश्चित रूप से राजा हेरोदेस की प्रतिक्रिया से अलग है। यह यरूशलेम में यहूदी नेतृत्व की प्रतिक्रिया के विपरीत भी प्रतीत होता है, हालाँकि उन्हें लगा होगा कि हेरोदेस के जीवन के अंत के करीब उसकी बढ़ती ईर्ष्या और तर्कहीनता को देखते हुए इस तरह की किसी घटना का अनुसरण करना बहुत खतरनाक था, इसलिए उनके लिए कुछ कम करने वाली परिस्थितियाँ हो सकती हैं।

हालाँकि मैथ्यू का सुसमाचार चार सुसमाचारों में से सबसे यहूदी है, इसमें यह घटना और यीशु के संदेश को सभी राष्ट्रों तक ले जाने का महान आदेश शामिल है। शायद आत्मा की प्रेरणा के तहत, मैथ्यू संकेत दे रहा है कि सुसमाचार को यहूदियों की तुलना में अन्यजातियों के बीच बेहतर स्वागत मिला, जो उस समय स्पष्ट नहीं था, लेकिन अब इस समय बहुत स्पष्ट है। यहाँ अंतिम प्रश्न, मुझे लगता है, यह है कि आप इस अंश पर बाइबल अध्ययन कैसे प्रचार करेंगे या सिखाएँगे। खैर, इस लंबाई के कई अंशों की तरह, एक पूरा अध्याय, यहाँ कई जोर दिए जा सकते हैं, जो आपके श्रोताओं पर निर्भर करता है, जो आपको उस समय प्रभावित करता है, यदि आप चाहें।

मेरा मतलब है, हमारे सभी उपदेशों और शिक्षाओं में निश्चित रूप से वह तत्व मौजूद है। यहाँ मैं जो विशेष तत्व सुझाता हूँ, वे सभी इस अंश में मौजूद हैं। एक, इस तथ्य के बावजूद कि कई टिप्पणीकारों ने मागी की यात्रा या तारे के अंत की ऐतिहासिकता पर संदेह किया है या उसे खारिज किया है, ऐसा प्रतीत होता है कि भगवान ने इस घटना के कंप्यूटर पुनर्निर्माण के माध्यम से आश्चर्यजनक सबूत प्रदान किए हैं।

और मुझे लगता है कि यह काफी रोमांचक है। मैं जानता हूँ कि मेरे एक मित्र जॉन स्टूडेनरोथ के पास इस वीडियो की एक प्रति है, और वह इसे बहुत से लोगों को दिखा रहा है। मुझे लगता है कि यह एक अच्छा कदम है, ईमानदारी से। दूसरी बात, यह घटना दर्शाती है कि परमेश्वर गैर-यहूदियों तक पहुँच रहा है, भले ही वे, हम क्या कहें, मूर्तिपूजा और झूठे धर्म में फँसे हुए हैं।

मुझे ऐसा लगता है कि भगवान ने उनसे ऐसी भाषा में बात करने के लिए खुद को विनम्र बना लिया है जिसे वे समझते हैं। मैंने जिन ईसाइयों से बात की है, उनमें से कई को इससे परेशानी होती है क्योंकि यह ज्योतिष है! खैर, यह एक तरह का ज्योतिष है। लेकिन भगवान उनसे ऐसी भाषा में बात कर रहे हैं जिसे वे समझते हैं।

वह सभी से हिब्रू में बात नहीं करता। वह लोगों तक पहुंचता है और नए नियम को इस मूर्तिपूजक भाषा, ग्रीक में लिखवाता है, और एक मूर्तिपूजक भाषा, लैटिन, और यहां तक कि उत्तरी यूरोप में और भी अधिक मूर्तिपूजक भाषाओं में अनुवाद करवाता है, आदि। इसे ज्योतिष के लिए ईश्वर की संस्तुति के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, जैसे कि यीशु का कर संग्रहकर्ताओं और पापियों के साथ मेलजोल उनकी जीवनशैली के लिए संस्तुति नहीं है।

आप चाहें तो वहाँ जा सकते हैं जहाँ वे हैं, और कह सकते हैं, हमें वहाँ जाने की ज़रूरत नहीं है जहाँ वे हैं। खैर, असल में, हमें वहाँ जाना है जहाँ वे हैं। यीशु और परमेश्वर को वहाँ जाने की ज़रूरत नहीं थी जहाँ वे थे, लेकिन उन्होंने अपनी दया के कारण ऐसा करना चुना।

हम यहाँ यह भी देखते हैं कि यह सुसमाचार की एक विशेषता है, यीशु के प्रति प्रतिक्रियाओं का मिश्रण। सभी सुसमाचारों में एक महत्वपूर्ण विषय। यीशु अपनी ही सृष्टि के पास आया, अपने ही लोगों के पास आया, और उसे बहुतों ने, यहाँ तक कि अधिकांश ने अस्वीकार कर दिया।

फिर भी कुछ लोगों ने उसे स्वीकार किया, और बदले में, उन्हें अनन्त जीवन प्राप्त हुआ। खैर, यह हमारी व्याख्या के परिचय की चर्चा है और हम जिसे सामान्य कथात्मक मार्ग कह सकते हैं, उसकी व्याख्या को देखते हैं। तो, हम आप सभी को यहाँ सिनॉटिक गॉस्पेल में अगले एपिसोड के लिए देखेंगे।

ठीक है। यार, तुमने इतने सारे सवाल उठाए कि मैं मुश्किल से अपना हाथ उठा पाया।